● वर्ष-2
● अंक-281
रायपुर, रविवार
16 जुलाई 2023
● पृष्ठ-6
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

अवकाश सूचना

समाचार पचीसा के कार्यलय में 16 जुलाई रविवार अवकाश रहेगा। समाचार पचीसा का अगला अंक 18 जुलाई मंगलवार को प्रकाशित होगा।

यूएई दौराः मोदी ने रचा इतिहास

अपनी मुद्राओं में व्यापार समझौते और पीआई-आईपीपीपी लिंकिंग पर सहमति

नईदिल्ली। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के एक दिवसीय दौरे पर पहुँचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाह्यान के साथ बहुआयामी द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत बनाने को लेकर चर्चा की। प्रधानमंत्री ने इस दौरान घोषणा की कि दोनों देश अपनी मुद्राओं में व्यापार शुरू करने पर सहमत हुए हैं। यूएई के राष्ट्रपति से मुलाकात के बाद मोदी ने कहा कि पिछले साल व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) पर हस्ताक्षर के बाद से भारत-यूएई व्यापार में 20 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। प्रधानमंत्री ने कहा कि दोनों देशों की मुद्राओं में व्यापार के लिए शनिवार को हस्ताक्षरित समझौता दोनों देशों के बीच मजबूत आर्थिक सहयोग और आपसी विश्वास को दर्शाता है। दोनों देशों की मुद्राओं में व्यापार पर यूएई के साथ समझौते से द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को बढ़ावा मिलेगा। मोदी ने कहा कि उन्हें शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाह्यान से हमेशा भाई का प्यार मिला। उन्होंने यूएई के राष्ट्रपति से कहा, ''जिस तरह से हमारे देशों के बीच संबंधों का विस्तार हुआ है, उसमें आपका बहुत बड़ा योगदान है। भारत का हर व्यक्ति आपको एक सच्चे दोस्त के रूप में देखता है।''

प्रधानमंत्री ने कहा कि मुझे अबू धाबी आकर और आपसे मिलकर खुशी हुई है। उन्होंने कहा कि गर्मजोशी से किए गए स्वागत के लिए और आपके द्वारा दिए गए सम्मान के

लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। प्रधानमंत्री ने कहा कि हर भारतीय आपको एक सच्चे दोस्त के रूप में देखता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हम अपनी साझेदारी को मज़बूत करने के लिए नई पहल कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसके तहत दोनों देशों की मुद्राओं में व्यापार समझौते पर आज का समझौता हमारे मज़बूत आर्थिक सहयोग और विश्वास को दर्शाता है। हम आपको यह भी बता दें कि संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद अल नाह्यान और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच कई समझौता ज्ञापनों का भी आदान-प्रदान किया गया। दोनों देशों की मुद्राओं में व्यापार समझौते के अलावा जो अन्य महत्वपूर्ण समझौता हुआ है उसके मुताबिक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली का परिसर अबू धाबी में स्थापित किया जायेगा। आईआईटी दिल्ली के अबू धाबी परिसर में जनवरी 2024 से स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम और अगले साल सितंबर से स्नातक पाठ्यक्रमों की शुरुआत की जायेगी। इसके तहत अकादिमक कार्यक्रम, पाठ्यक्रम आदि आईआईटी दिल्ली द्वारा उपलब्ध करायी जायेगी। डिग्री भी आईआईटी दिल्ली प्रदान करेगी।देखा जाये तो प्रधानमंत्री मोदी की यूएई यात्रा के केंद्र में ऊर्जा, खाद्य सुरक्षा और रक्षा जैसे क्षेत्र रहे। साथ ही दोनों देशों ने अपने द्विपक्षीय संबंधों में हुई प्रगति की समीक्षा भी की। दोनों देशों के बीच आर्थिक भागीदारी को नयी गति देने वाले वृहद आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) पर कोविड-19 महामारी के दौरान हस्ताक्षर किए गए थे। हम आपको बता दें कि भारत और यूएई व्यापार, निवेश, ऊर्जा, खाद्य सुरक्षा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, शिक्षा, फिनटेक, रक्षा, सुरक्षा और लोगों के बीच संपर्क जैसे क्षेत्रों में संबंधों को मजबूत बना रहे हैं।इससे पहले, प्रधानमंत्री मोदी का राष्ट्रपति भवन 'कसर अल वतन' में पारंपरिक स्वागत किया गया जहां यूएई के राष्ट्रपति ने उनकी आगवानी की। प्रधानमंत्री ने यहां सलामी गारद का निरीक्षण भी किया। इस दौरान बच्चे अपने हाथों में तिरंगा लिए हुए थे। इसके अलावा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'कॉप-28' की संयुक्त अरब अमीरात की अध्यक्षता के दौरान भारत के पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने यूएई में होने वाले संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन 'कॉप28' के नामित अध्यक्ष डॉ. सुल्तान अल जाबेर के साथ सार्थक बातचीत की।

देशभर के 44 फीसदी विधायक दागी

■ दिल्ली में 53 फीसदी के खिलाफ गंभीर केस दर्ज, इन राज्यों में करोड़पतियों की भरमार

नई दिल्ली। देशभर में 44 फीसदी विधायक ऐसे हैं, जिनके खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। केरल में सबसे ज्यादा 70 फीसदी विधायकों ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले घोषित किए हैं। ये आंकड़े एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) द्वारा किए गए एक हालिया विश्लेषण से सामने आए हैं।

4,033 विधायकों में से 4,001 के हलफनामों का विश्लेषण

दरअसल, एडीआर और नेशनल इलेक्शन वॉच (एनईडब्ल्यू) द्वारा किए गए विश्लेषण में देशभर में राज्य विधानसभाओं और केंद्र शासित प्रदेशों में मौजूदा विधायकों के हलफनामों की जांच की गई। यह डेटा विधायकों द्वारा उनके हालिया चुनाव लड़ने से पहले दायर किए गए हलफनामों से निकाला गया था। विश्लेषण में 28 राज्य विधानसभाओं और दो केंद्र शासित प्रदेशों के मौजूदा 4,033 विधायकों में से कुल 4,001 को शामिल किया गया।

विश्लेषण किए गए विधायकों में से 1,136 या लगभग 28 प्रतिशत ने अपने खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले घोषित किए हैं। इनमें हत्या, हत्या के प्रयास, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ अपराध से जुड़े गंभीर आरोप शामिल हैं।

इन राज्यों के ज्यादा विधायक दागी

राज्यवार आंकड़े देखें तो केरल में 135 में से 95 विधायकों यानी 70 फीसदी ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले होने की जानकारी दी है। इसी तरह बिहार में 242 विधायकों में से 161 (67 फीसदी), दिल्ली में 70 में से 44 विधायक (63 फीसदी), महाराष्ट्र में 284 में से 175 विधायक (62 फीसदी), तेलंगाना में 118 में से 72 विधायक विधायकों (61 प्रतिशत) और तमिलनाडु में 224 विधायकों में से 134 (60 प्रतिशत) ने अपने हलफनामों में खुद के खिलाफ केस दर्ज होने की जानकारी दी है।

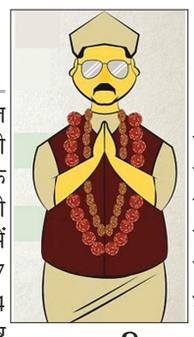

गंभीर आपराधिक मामलों का सामना कर रहे यहां के एमएलए

इसके साथ ही एडीआर की रिपोर्ट में बताया गया कि दिल्ली में 70 में से 37 विधायक (53 प्रतिशत), बिहार में 242 में से 122 विधायक (50 प्रतिशत), महाराष्ट्र में 284 में से 114 विधायक (40 प्रतिशत), झारखंड में 79 में से 31 विधायक (39 प्रतिशत), तेलंगाना में 118 में से 46 विधायकों (39 प्रतिशत) और उत्तर प्रदेश में 403 में से 155 विधायकों (38 प्रतिशत) ने अपने खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले घोषित किए हैं।

रिपोर्ट में महिलाओं के खिलाफ अपराधों से जुड़े परेशान करने वाले आंकड़े भी सामने आए। रिपोर्ट के अनुसार, कुल 114 विधायकों ने महिलाओं के खिलाफ अपराध से जुड़े मामलों की घोषणा की है। इनमें से 14 विधायकों के खिलाफ तो दुष्कर्म (आईपीसी धारा-376) से संबंधित मामले दर्ज हैं।

राज्य विधानसभाओं में प्रति विधायक औसत संपत्ति 13.63 करोड़

विश्लेषण में आपराधिक रिकॉर्ड के अलावा विधायकों की संपत्ति की भी जांच की गई। राज्य विधानसभाओं में प्रति विधायक औसत संपत्ति 13.63 करोड़ रुपये पाई गई। हालांकि, दागी विधायकों की औसत संपत्ति 16.36 करोड़ रुपये से अधिक है, जबकि बिना आपराधिक मामलों वाले विधायकों की औसत संपत्ति 11.45 करोड़ रुपये है।

कर्नाटक के विधायक सबसे ज्यादा पैसे वाले

रिपोर्ट में विधायकों की सबसे अधिक औसत संपत्ति और सबसे कम औसत संपत्ति वाले राज्यों के भी आंकड़े हैं। कर्नाटक 223 विधायकों के लिए 64.39 करोड़ रुपये की

दीपक बैज ने पदभार ग्रहण किया

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस के नव नियुक्त अध्यक्ष दीपक बैज का राजधानी रायपुर के माना एयरपोर्ट पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया। रराजीव गांधी भवन पहुंचने पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की उपस्थिति में दीपक बैज ने मंत्री एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मोहन मरकाम से प्रदेश अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया। इस दौरान प्रदेश भर से आए कांग्रेस के सांसद विधायक पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

प्रचारक बैठक में मणिपुर की स्थिति पर गंभीर चिंता व्यक्त की गई

ऊटी। कोयम्बतूर के निकट ऊटी में आयोजित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय प्रांत प्रचारक बैठक में संघ की शाखाओं को उनके सामाजिक दायित्वों के अनुरूप और अधिक सक्रिय करने की चर्चा हुई. संघ की यह प्रतिवर्ष होने वाली बैठक इस वर्ष दिनांक 13, 14 एवं 15 जुलाई 2023 को कोयम्बतूर के निकट ऊटी (ज़िला नीलगिरी), तमिलनाडु में आयोजित हुई थी.

बैठक में मणिपुर की वर्तमान स्थिति पर गंभीर चिंता व्यक्त की गई. मणिपुर में संघ के स्वयंसेवक समाज के प्रबुद्ध लोगों के साथ मिलकर शांति तथा परस्पर विश्वास का वातावरण बनाने तथा पीड़ित बंधुओं की आवश्यक सहायता करने का हर संभव प्रयास कर रहे हैं. बैठक में संघ स्वयंसेवकों द्वारा पीड़ित लोगों के लिए चल रहे सहायता कार्यों को और अधिक व्यापक करने पर विचार हुआ. समाज के सभी वर्गों से अनुरोध किया गया कि परस्पर सौहार्द एवं शांति स्थापित करने के प्रयासों को गति दें. इसके साथ ही स्थायी शांति एवं पुनर्वास हेतु सरकार से हरसंभव कार्रवाई करने का आवाहन भी किया गया.

बैठक में हाल ही में हिमाचल के मंडी, कुल्लू आदि ज़िलों, उत्तराखंड एवं दिल्ली में आई बाढ़ से प्रभावित लोगों हेतु संघ द्वारा चलाए जा रहे सेवा कार्य की समीक्षा की गई, तुरंत करणीय उपायों पर विचार किया गया. पिछले दिनों आई अन्य विपदाओं में किये गए कार्यों से विभिन्न प्रांतों द्वारा सभी को अवगत कराया गया.

संघ की शाखाओं द्वारा सामाजिक दायित्वों के अनुरूप, उनके आसपास के क्षेत्र की आवश्यकताओं के अनुसार कई सारे सामाजिक एवं सेवा कार्य समय-समय पर किये जाते हैं. बैठक में ऐसे कार्यों के विवरणों के साथ अनुभवों का आदान- प्रदान भी हुआ तथा संघ की प्रत्येक शाखा को इस दिशा में अधिक सक्रिय करने पर योजना बनी है.

इस वर्ष 2023 में संघ के प्रथम, द्वितीय व तृतीय वर्ष मिलाकर कुल 105 संघ शिक्षा वर्ग संपन्न हुए, जिसमें देश भर से कुल 21566 शिक्षार्थी सहभागी रहे. इनमें चालीस वर्ष की आयु से कम 16908 तथा चालीस से पैंसठ 4658 शिक्षार्थियों ने भाग लिय। बैठक में प्राप्त आँकड़ों के अनुसार देश भर में 39451 स्थानों पर संघ की कुल 63724 दैनिक शाखाएं तथा अन्य स्थानों पर 23299 साप्ताहिक मिलन एवं 9548 मासिक मंडली चल रही है।

प्रमुख समाचार

मोदी ने 2019 में मुख्यमंत्री पद की पेशकश कीः कुमारस्वामी

बेंगलुरू। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और जनता दल के वरिष्ठ नेता एचडी कुमारस्वामी ने विधानसभा में चौंकाने वाले दावे किए और कहा कि उन्हें 2019 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पूर्णकालिक मुख्यमंत्री

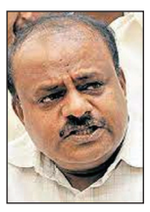

पद की पेशकश की गई थी। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने तब इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया था। केवल कांग्रेस-जेडीएस गठबंधन सरकार के प्रति वफादार रहने के लिए, जो 2018 विधानसभा चुनावों के बाद बनी थी। कुमारस्वामी के भाजपा के विपक्षी नेता होने के बारे में सीएम सिद्धारमैया के तंज का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि मुझे आज कुछ खुलासा करने दीजिए। 2019 में लोकसभा चुनाव से ठीक 15 दिन पहले, मुझे पीएम नरेंद्र मोदी ने एक घंटे की बैठक के लिए बुलाया था। उन्होंने मुझे भाजपा के साथ हाथ मिलाने के लिए आमंत्रित किया, जिसके लिए मुझे अगले चार वर्षों के लिए पूर्णकालिक सीएम पद की पेशकश की गई। मैंने ऐसा करने से इनकार कर दिया क्योंकि जेडीएस पहले से ही कांग्रेस पार्टी के साथ गठबंधन में थी। मैं नहीं चाहता था कि मेरी प्रतिष्ठा ख़राब हो।

पूर्वोत्तर के नेताओं संग खरगे ने बनाई चुनाव की रणनीति

नई दिल्ली। साल 2024 में होने वाले लोकसभा चुनावों को लेकर कांग्रेस ने अभी से अपनी तैयारियों को धार देना शुरू कर दिया है। इसी क्रम में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी कार्यालय में पूर्वोत्तर के छह राज्यों के कांग्रेस नेताओं संग बैठक की। इसमें अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, त्रिपुरा, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और सिक्किम की 11 लोकसभा सीटों को लेकर चर्चा की गई। इस दौरान कांग्रेस अध्यक्ष ने केंद्र सरकार पर पूर्वोत्तर को लेकर कई आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि केंद्र की %एक्ट ईस्ट% नीति पूर्वोत्तर राज्यों के लिए %एक्ट लीस्ट% नीति बन गई है। इस बैठक में मणिपुर के हालात को लेकर मंथन किया गया। इस दौरान मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर, त्रिपुरा और सिक्किम के नेताओं ने मणिपुर में %बिगड़ती% स्थिति पर चिंता व्यक्त की। वहीं, बैठक के बाद कांग्रेस महासचिव-संगठन केसी वेणुगोपाल ने मणिपुर हिंसा पर कांग्रेस का स्टैंड भी साफ किया। उन्होंने मणिपुर को लेकर पीएम की चुप्पी पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस मणिपुर के लोगों के साथ एकजुटता से खड़ी है। साथ ही मणिपुर के लोगों के प्रति अपने समर्थन और सहानुभूति को रेखांकित किया है।

मोदी की 2024 में जीत निश्चित-एकनाथ शिंदे

मुंबई। महाराष्ट्र में जारी राजनीतिक हलचल के बीच मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि 2024 में विपक्षी कितनी भी ताकत लगा ले, लेकिन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जीत सुनिश्चित है। विपक्षी एकता पर तंज कसते हुए कहा कि वे अब तक अपना नेता नहीं कर सके हैं। इसके साथ ही उन्होंने अपनी सरकार में अजित पवार के शामिल होने का भी बचाव किया। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि अब हमारे पास 200 से ज्यादा विधायक हैं और हमारे कामकाज में तेजी आएगी। विपक्षी नेता अगले लोकसभा चुनाव में मोदी को हराने के लिए एकजुट होने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन वे अपना एक नेता तय नहीं कर सके हैं। उन्होंने कहा कि इसने प्रधानमंत्री मोदी की जीत निश्चित कर दी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जहां भी जाते हैं, उनकी प्रशंसा होती है। शिवसेना नेता ने कहा कि मोदी को अमेरिकी कांग्रेस को दो बार संबोधित करने का अवसर मिला और हाल में फ्रांस ने अपने शीर्ष सम्मान से उन्हें सम्मानित किया।

समान नागरिक संहिता पर अरुणाचल ने भी आपत्ति जताई

इटानगर। बीजेपी शासित राज्य अरुणाचल प्रदेश ने भी समान नागरिक संहिता पर आपत्ति जताई है। अरुणाचल में 26 समुदायों के संयुक्त मंच, अरुणाचल इंडिजिनस ट्राइब्स फोरम ने विधि आयोग को पत्र भेजकर कहा कि 26 मुख्य और लगभग 100 उप-जनजातियों वाले राज्य अरुणाचल में विभिन्न पारंपरिक रीति-रिवाजों का पालन किया जाता है। इसलिए सभी पर समान नागरिक नियम नहीं थोपे जाने चाहिए. उनका कहना है कि मुख्यभूमि में समान नियम लागू करने में कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन अरुणाचल की आदिवासी सरदारी को इसके दायरे से बाहर रखा जाना चाहिए। समान नागरिक संहिता पर पहले ही तीन ईसाई बहुल राज्यों मिजोरम, मेघालय और नागालैंड की सरकारों और विभिन्न संगठनों द्वारा आपत्तियां उठाई जा चुकी हैं। मिजोरम के राज्यसभा सांसद के वनलालवेना ने विधि आयोग को पत्र भेजकर कहा कि पूर्वोत्तर की जनजातियों पर एक समान नियम लागू करना अव्यावहारिक है। इसे कोई स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने एक कदम आगे बढ़ाते हुए दावा किया कि अंग्रेजों के आने से पहले मिजोरम कभी भी भारत का हिस्सा नहीं था।

अखिलेश को लगा बड़ा झटका, दारा सिंह चौहान ने दिया इस्तीफा

लखनऊ। 2022 में उत्तर प्रदेश चुनाव से पहले भाजपा से इस्तीफा देने वाले समाजवादी पार्टी के विधायक दारा सिंह चौहान ने 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले शनिवार को उत्तर प्रदेश विधानसभा से

इस्तीफा दे दिया। वह मऊ जिले के घोसी से विधायक थे। अखिलेश यादव के लिए इसे बड़ा झटका माना जा रहा है। उत्तर प्रदेश विधानसभा के प्रमुख सचिव प्रदीप दुबे ने एक बयान में कहा कि चौहान ने अपना त्यागपत्र विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना को सौंप दिया है। सूत्रों ने कहा कि वह जल्द ही भाजपा में शामिल होंगे। अगर ऐसा होता है तो दारा सिंह चौहान की घर वापसी कही जाएगी। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता वाली मंत्रिपरिषद से इस्तीफा देने के बाद चौहान पिछले साल जनवरी में समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए थे। चौहान पिछली योगी आदित्यनाथ सरकार में कैबिनेट मंत्री थे लेकिन 2022 के विधानसभा चुनाव से पहले उन्होंने इस्तीफा दे दिया था। पूर्वी यूपी के एक ओबीसी नेता, वह सपा के चुनाव चिन्ह पर मऊ जिले की घोसी सीट से चुने गए थे।

मिशन 2024

राजनीति का विस्तार और विस्तार की राजनीति के बीच सत्ता-विपक्ष की बैठकों के मायने

विजय विद्रोही

तो क्या 18 जुलाई की शाम को 2024 के लोकसभा चुनाव की तस्वीर सामने आ जाएगी? देश को पता चल जाएगा कि एनडीए के साथ कौन-कौन है और विपक्ष के खेमे में कौन-कौन है? बंगलूरू में विपक्ष की बैठक 17-18 जुलाई को होनी है और भाजपा ने भी बहुत साल बाद एनडीए की बैठक 18 जुलाई को बुलाई है। कहा जा रहा है कि भाजपा को एनडीए की याद इसलिए आ रही है, क्योंकि विपक्ष एक होने की संभावना पर काम कर रहा है। उधर विपक्ष की मजबूरी है कि एक नहीं हुए, तो एक-एक करके खत्म हो जाएंगे। कुल मिलाकर यह राजनीति का विस्तार है और विस्तार की राजनीति है।

पहले बात विपक्ष की। पटना के बाद यह विपक्ष की दूसरी कोशिश होगी। क्या बंगलूरू में विपक्ष के गठबंधन को कोई नाम मिलेगा और वह अपना संयोजक चुनने में सफल रहेगा? विपक्ष को नारा और नीति पर भी काम करना होगा। आखिर मोदी ब्रांड के खिलाफ यह नारा नहीं चल सकता कि मोदी हटाओ, देश बचाओ या मोदी को हराना है, सत्ता से हटाना है। गठबंधन को नारा इस विमर्श के आसपास बुनना होगा कि विपक्ष सत्ता में आया तो क्या करेगा। रोजगार, महंगाई जैसे मुद्दों का इलाज किस रूप में करेगा? उसे एक गेम चेंजिंग आइडिया की जरूरत तो होगी। क्या यह संघवाद हो सकता है, यानी अगर गठबंधन सत्ता में आया, तो राज्यों को अधिक अधिकार देगा। यह आइडिया कांग्रेस को नापसंद करने वाले ओडिशा के नवीन पटनायक, आंध्र प्रदेश के जगन मोहन रेड्डी और तेलंगाना के केसीआर को भा सकता है। एक अन्य आइडिया न्याय योजना का है।

राहुल गांधी ने पिछले लोकसभा चुनाव से पहले घोषणा की थी कि यूपीए सत्ता में आई, तो देश की सबसे गरीब बीस फीसदी जनता को छह हजार रुपये महीने यानी 72 हजार रुपये

सालाना दिए जाएंगे। तब यह आइडिया किसी के गले नहीं उतरा। तीसरा आइडिया राइट टू हेल्थ है। अभी मोदी सरकार आयुष्मान योजना चला रही है, जिसमें करीब दस करोड़ परिवारों को लाभ मिल रहा है। क्या विपक्ष 140 करोड़ लोगों को इसके दायरे में लाकर अपनी राजनीति का विस्तार करने की संभावना तलाश सकता है? चौथा, सामाजिक सुरक्षा कानून है। सामाजिक सुरक्षा कानून के तहत देश का हर जरूरतमंद वोटर आ जाएगा। यह लाभार्थी वोट बैंक में विस्तार करने की राजनीति होगी।

उधर एनडीए की बात करें, तो नौ साल बाद ऐसी कोई बैठक होगी। प्रधानमंत्री मोदी को किसी नए गेम चेंजर आइडिया की जरूरत नहीं है। उन्हें सिर्फ कुनबे का विस्तार करने की जरूरत है। इसके लिए काम शुरू भी हो गया है। जहां-जहां विरोधियों का महागठबंधन है, वहां-वहां सियासी बुलडोजर चल रहा है। महाराष्ट्र में शिवसेना के बाद एनसीपी इसकी की हद में आई है। कांग्रेस में रहे सुनील जाखड़ को भाजपा ने पंजाब और मनमोहन सिंह सरकार में मंत्री रही एनटीआर की बेटी पुरुंदेश्वरी देवी को आंध्र प्रदेश की कमान सौंप कर विस्तार की राजनीति का ट्रेलर दिखाया है। जीतन राम मांझी भी एनडीए में आ गए हैं। अकाली दल से बात चल रही है। ओम प्रकाश राजभर से लेकर वीआईपी पार्टी के मुकेश साहनी से बात अंतिम दौर में है। मायावती का मायावी साथ मिल ही रहा है। विपक्ष का रह-रहकर एक ही आरोप होता है कि ईडी, सीबीआई और इनकम टैक्स विभाग का दुरुपयोग हो रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने ईडी निदेशक संजय मिश्रा को अतिरिक्त विस्तार नहीं दिया, तो गृहमंत्री अमित शाह ने चेता दिया कि किसी एक के जाने से खुश होने की जरूरत नहीं है। ईडी को जो शक्तियां मिली हुई हैं, वे अपनी जगह हैं।

प्रधानमंत्री मोदी विपक्षी दलों के परिवारवाद और भ्रष्टाचार को मुद्दा बनाने की बात करते रहे हैं, लेकिन वह जनता को दस साल का हिसाब देने के मोर्चे पर भी लगे रहते हैं। भले ही दस वर्षों में मोदी सरकार रोजगार और आर्थिक मोर्चे पर ज्यादा सफल नहीं हो पाई हो, लेकिन उसका घोषणापत्र बढ़-चढ़कर बोल रहा है। अनुच्छेद 370 का हटना, तीन तलाक खत्म होना इस तरकश के दो तीर हैं। सबसे बड़ी बात है कि जनवरी में राम मंदिर दर्शन के लिए खुल जाएगा। समान नागरिक संहिता पर काम तेजी से चल रहा है। वैसे बूथ प्रबंधन और आर्थिक संसाधन आदि को भी महंगे होते चुनाव के मद्देनजर राजनीति के विस्तार और विस्तार की राजनीति का हिस्सा मानना चाहिए।

गन्ना बेल्ट बिगाड़ सकती है गणित

उधर, उप्र सरकार द्वारा बार बार गन्ना सहकारी समितियों के चुनाव की प्रक्रिया को स्थगित किया जाना भी राजनीति गलियारों में चर्चा का विषय बना हुआ है। विपक्षी दलों ने गन्ना सहकारी समितियों के चुनाव बार बार स्थगित किए जाने के पीछे भाजपा का भयभीत होना बताया है। गन्ना सहकारी समितियों के चुनाव में सीधे किसानों का जुड़ाव होता है। अगर समिति के चुनाव का असर लोकसभा चुनाव पर पड़ सकता है। उप्र सरकार अब तक दो बार गन्ना सहकारी समितियों की प्रबंध समिति के चुनाव की प्रक्रिया स्थगित कर चुकी है। गुरुवार को उप्र सहकारी समिति निर्वाचन आयुक्त राजमणि पांडेय ने भले ही गन्ना सहकारी समितियों के चुनाव स्थगित किए जाने के पीछे कांवड़ यात्रा का कारण बताया हो, लेकिन विपक्षी दलों से जुड़े पश्चिम उप्र के किसान और नेता इसको भाजपा व सरकार की राजनीति का हिस्सा बता रहे हैं।

मलगांव के ग्रामीणों ने रोजगार नहीं मिलने पर दीपका में 12 घंटे तक किया काम बंद

कोरबा । खदान प्रभावित ग्राम मलगांव के ग्रामीणों ने मुआवजा, रोजगार, बसाहट समेत अन्य मुद्दों को लेकर दीपका में 12 घंटे से अधिक देर तक काम बंद करा दिया। प्रबंधन ने समझाइश देने का प्रयास किया, पर ग्रामीणों का कहना था कि जब तक मुआवजा नहीं मिल जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा और खदान में उत्खनन कार्य नहीं होने दिया जाएगा।

साउथ ईस्टर्न कोलफिल्डस लिमिटेड एसईसीएल की दीपका खदान में ग्राम मलगांव की भूमि समाहित हुई है। प्रबंधन द्वारा जमीन अधिग्रहण कर लिया गया है। छह माह पहले दिनों मकानए बाड़ी समेत अन्य जमीन का मुआवजा निर्धारण कर लियाए पर उक्त राशि का भी भुगतान नहीं किया। खदान का काम गांव के समीप तक पहुंच चुका है। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार खदान में ब्लास्टिंग होने से पत्थर उछल कर घर के उपर आ गिरता है। प्रबंधन से मुआवजा व बसाहट देने की मांग कर रहे हैं, पर प्रबंधन उनकी बात

नहीं सुन रही है। इसी तरह खदान में नियोजित ठेका कंपनी द्वारा बाहरी लोगों को लाकर काम पर रखा गया है।

खदान प्रभावित स्थानीय युवक बेरोजगार घूम रहे हैं। 11 सूत्रीय मांग पत्र को लेकर एक माह पहले ग्राम मलगांव में सभी ग्रामीणों के साथ विधायक पुरुषोत्तम कंवर, राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस इंटक के जिलाध्यक्ष श्यामू खुशाल जायसवाल, समाजसेवी मनीराम भारती ने एसईसीएल दीपका प्रबंधन को ज्ञापन सौंपा था। तब प्रबंधन ने एक माह का वक्त मांगा, पर निर्धारित समय बीतने के बाद भी समस्या का निदान नहीं किया गया। इससे नाराज ग्रामीणों ने विधायक पुरूषोत्तम कंवर व इंटक जिलाध्यक्ष श्यामू जायसवाल के साथ खदान में काम बंद करा दिया। इस बीच प्रबंधन ने आंदोलकारियों से चर्चा कर समस्या का निदान नहीं हो जाता है, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। इसके साथ ही खदान में काम शुरू नहीं करने दिया जा रहा है।

सरपंच धनकुंवर का कहना है कि एसईसीएल प्रबंधन जल्द मकान, बाड़ी का किए मूल्यांकन का भुगतान किया जाए। विधायक कंवर ने कहा कि प्रबंधन द्वारा केवल टालमटोल की नीति अख्तियार की जा रही है। प्रभावितों को मुआवजा, बसाहट व नौकरी प्रदान करें, ताकि खदान में काम करने दिया जा सके। इंटक जिलाध्यक्ष श्यामू जायसवाल ने कहा कि खदान में कलिंगा ठेका कंपनी को कार्य सौंपा गया और कंपनी द्वारा स्थानीय बेरोजगार युवकों को रोजगार नहीं दिया जा रहा है, बल्कि बाहर से मजदूर लाकर काम पर रखे हैं। नियमत: 60 प्रतिशत खदान प्रभावित स्थानीय लोगों को रोजगार दिया जाना है, पर दीपका खदान में नियोजित ठेका कंपनियों द्वारा इसका पालन नहीं किया रहा है।

शिक्षक संघर्ष मोर्चा का एलान रायपुर में 18 को होगा बड़ा प्रदर्शन

बीजापुर। छत्तीसगढ़ शिक्षक संघर्ष मोर्चा एलबी संवर्ग के सभी प्रमुख संगठनों का साझा मंच आगामी 18 जुलाई को रायपुर में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन और रैली करेगी। जिला बीजापुर के पदाधिकारियों के द्वारा एलबी संवर्ग के शिक्षकों की एक सूत्रीय मांग को लेकर धरना होगा।

मांग पूरी न होने पर होगी अनिश्चितकालीन हड़ताल

छग शिक्षक संघर्ष मोर्चा के कैलाश रामटेके और राजेश मिश्रा ने संयुक्त बयान जारी कर बताया है कि एलबी संवर्ग के शिक्षकों ने पूर्व सेवा की गणना कर प्रथम नियुक्ति तिथि से सही वेतन का निर्धारण कर सहायक शिक्षकों की वेतन विसंगति दूर कर क्रमोन्नत वेतनमान का निर्धारण कर कुल 20 वर्ष की सेवा अवधि में पुरानी पेंशन का लाभ प्रदान किया जाए। मांग पूरी न होने की स्थिति में 31 जुलाई से अनिश्चितकालीन हड़ताल में जाने की चेतावनी दी गई है।

प्रशासन को दी चेतावनी

छत्तीसगढ़ शिक्षक संघर्ष मोर्चा द्वारा कलेक्टर एवं जिला शिक्षा अधिकारी के दौरे में होने के कारण वरिष्ठ लिपिक राजेन्द्र पसपुल को बीजापुर में ज्ञापन देकर सूचना दी। पूर्व की भांति ही एलबी संवर्ग के सभी संगठन अब एक मंच के बैनर तले आंदोलन करेंगे। ज्ञापन सौंपते समय सहायक शिक्षक फेडरेशन के प्रांतीय उपाध्यक्ष परुषोत्तम झाड़ी, जिलाध्यक्ष राजेश मिश्रा, सचिव सुशील हेमला चारों ब्लाक अध्यक्षगण, शांतिलाल वर्मा, कमल नारायण कुंजाम, महेश यालम, गौकरण ठाकुर, छग शालेय शिक्षक संघ के सचिव कैलाश रामटेके, महामंत्री वसीम खान, ब्लाक अध्यक्ष विजय चापड़ी शामिल थे। ज्ञापन के बाद बैठक कर सभी शिक्षकों ने उम्मीद जताई है कि सरकार उनकी मांगों को पूरा करेगी। मांगे पूरी नहीं होने पर प्रदेश के समस्त शिक्षक उग्र आंदोलन हेतु बाध्य होंगे। जिसकी जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी।

गौठानों में मछली पालन कर समृद्ध हो रहीं समूह की महिलाएं

■ **आर्थिक स्थिति में सुधार होने से परिवार में आई खुशहाली**

डौंडीलोहारा। राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी ग्राम सुराजी योजना ग्रामीण जनजीवन के लिए नई दिशा लेकर आई है। इसके तहत नरवा, गरूवा, घुरूवा एवं बाड़ी योजना ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के साथ महिलाओं में नया आत्मविश्वास भी जगा रही है। गरूवा योजना के तहत निर्मित गौठानों में चल रही आर्थिक गतिविधियों में भाग लेने से ग्रामीण महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं। गौठानों में चल रहे मछली पालन का कार्य समूह की महिलाओं के लिए स्वरोजगार का महत्वपूर्ण जरिया बन गया है। मछली पालन के व्यवसाय से हो रही निरंतर आमदनी से इन महिलाओं की आर्थिक स्थिति में आशातीत सुधार हुआ है, जिससे उनके परिवार में खुशहाली आई है।

स्वसहायता समूह की महिलाएं मछली पालन कर आर्थिक रूप से समृद्ध हो रहीं हैगांवों में स्थापित गौठान पशुधन संरक्षण, संवर्धन, वर्मी कम्पोस्ट एवं कीटनाशक दवाईयों, गोबर पेंट आदि के निर्माण के साथ सब्जी उत्पादन जैसे अनेक आजीविकामूलक गतिविधियों के माध्यम से ग्रामीणों को स्वरोजगार प्रदान करने का कारगर माध्यम बन गए हैं। इसी कड़ी में बालोद जिले के गुरूर विकासखण्ड के जेवरतला, भानपुरी एवं डौण्डीलोहारा विकासखण्ड के खपराभाट एवं नंगूटोला गौठानों में स्वसहायता समूह की महिलाएं मछली पालन कर आर्थिक रूप से समृद्ध हो रहीं है।

गुरूर विकासखंड के ग्राम जेवरतला गौठान के डबरी के 0.162 हेक्टेयर(40 डिसमिल) में जलक्षेत्र में जय मां दुर्गा स्व-सहायता समूह के 13 महिलाओं के द्वारा मछली पालन का कार्य किया जा रहा है। इन महिलाओं के द्वारा अब तक गौठान की डबरी से कुल 472 किलोग्राम मछली को प्रति किलो 150 रुपये की दर से कुल 70 हजार 800 रुपये में बिक्री की गई है। जिससे इन महिलाओं को 52 हजार 330 रुपये की शुद्ध आमदनी हुई है। इसी तरह से मछली पालन के व्यवसाय में लगी मां दुर्गा स्वसहायता समूह की महिलाओं को 4025 रुपये की आमदनी हुई है। डौडीलोहारा विकासखंड के ग्राम खपराभाट गौठान में निर्मित डबरी में जय शीतला स्वसहायता समूह की 12 महिलाओं द्वारा मछली पालन किया जा रहा है। इन महिलाओं के द्वारा अब तक कुल 375 किलोग्राम मछली को 150 रुपये प्रति किलो की दर से कुल 56 हजार 250 रुपये में बिक्री किया है। जिससे उन्हें 39 हजार 900 रुपये की आ

फर्जी सिटी एसपी भेजा गया जेल

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा में सिविल लाइन थाना की सीएसईबी चौकी पुलिस ने एक फर्जी सिटी एसपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जिसे न्यायिक रिमांड पर शुक्रवार को जेल भेज दिया गया। गिरफ्तार आरोपी जिले के कटघोरा का ऐडवोकेट बताया गया है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार पिछले वर्ष जिले के दीपका थाना क्षेत्र में एक सड़क हादसा हुआ था जिसमें विनोद श्रीवास नामक युवक की मौत हो गई थी। इस मामले में कटघोरा निवासी एक एडवोकेट अजय साहू ने पंप हाउस कोरबा के निवासी राजेश दास को फोन किया और स्वयं को सिटी एसपी बतलाते हुए उपरोक्त दुर्घटना प्रकरण में झूठी गवाही देने के लिए दबाव बनाने का प्रयास किया। राजेश दास पिछले वर्ष तक दीपिका क्षेत्र में एक निजी परिवहन कंपनी में सुपरवाइजर के पद पर काम करता था। उसी दौरान सड़क हादसा हुआ था जिसमें किसी निजी कंपनी में काम कर रहे एक अन्य युवक विनोद श्रीवास की मौत हो गई थी।

सीएसईबी पुलिस चौकी प्रभारी

शिवकुमार धारी ने बताया कि आरोपी अजय साहू इसी मामले में झूठी गवाही देने के लिए राजेश दास पर दबाव बना रहा था। उसने मामले में गवाही देने पर किसी तरह की परेशानी नहीं होने का भरोसा राजेश दास को दिलाने का प्रयास किया वही गवाही नहीं देने पर प्रताड़ित करने की धमकी भी दी।

राजेश दास को कथित सिटी एसपी की सत्यता पर संदेह हुआ तो वह अपने निवास क्षेत्र की सीएसईबी पुलिस चौकी पहुंच गया और अपना संदेह जाहिर करते हुए मामले की शिकायत कर दी। पुलिस को उसने अजय साहू से हुई बातचीत का ऑडियो भी उपलब्ध कराया जो उसके मोबाइल में रिकॉर्ड हो गया था। पुलिस ने छानबीन के बाद अजय साहू को गिरफ्तार कर लिया।

नक्सलियों के दो-दो हजार के 30 नोट के साथ एक गिरफ्तार

बीजापुर। मुखबिर से सूचना मिली कि बासागुड़ा थाना क्षेत्र के अंतर्गत नक्सलियों का पैसा जमा करने एक व्यक्ति मोटर सायकल से आवापल्ली आ रहा है, जिसके पास नक्सलियों 2000 के नोट हैं। सूचना के आधार पर थाना बासागुड़ा द्वारा एमसीपी कार्यवाही के दौरान हीरापुर हनुमान टेकरी के पास हीरो ग्लेमर मोटर सायकिल सीजी 20 जे 0210 चालक नागुल सत्यनारायण पिता नागैया उम्र 55 वर्ष के पास रखे बैग की तलाशी के दौरान 2000 रुपये मूल्य के 30 नोट कुल 60 हजार रुपये, दो नग सहकारी केंद्रीय मर्यादित बैंक के पास बुक, नक्सली पाम्पलेट बरामद किया गया है। आरोपी के विरूद्ध थाना बासागुड़ा में वैधानिक कार्यवाही के उपरांत आज शनिवार को न्यायिक रिमाण्ड पर न्यायालय बीजापुर में पेश किया गया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार उपरोक्त बरामद सामग्री एवं रकम के सम्बंध में नागुल सत्यनारायण से पूछताछ पर बताया कि उसूर एरिया कमेटी अंतर्गत उसूर एलओएस सदस्य झाड़ी कन्ना एवं नरसापुर आरपीसी अध्यक्ष हड़मा कुंजाम द्वारा दो दो हजार मूल्य के 30 नोट कुल 60 हजार रूपये बैंक में जमा कराने एवं नक्सली पर्चा फोटोकापी कराकर आरपीसी अध्यक्ष हड़मा कुंजाम को देना बताया। प्रकरण में थाना बासागुड़ा में छग विशेष जन सुरक्षा अधिनियम की धाराओं में अपराध पंजीबद्ध कर कार्यवाही करते हुए प्रकरण के आरोपी नागुल सत्यनारायण को गिरफ्तार कर कब्जे से दो-दो हजार के 30 नोट कुल 60 हजार रूपये, 500 के 6 नोट, 100 के 2 एवं 20 का एक नोट कुल 63220 रुपये, दो नग बैंक पासबुक, 1 एंड्राइड मोबाईल, एक नग मोटर साइकिल एवं नक्सली पर्चा जब्त किया गया है।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

बकाया बिजली बिल वसूलने गए कर्मचारी के साथ मारपीट

कांकेर। कांकेर में बिजली की राशि वसूलने गए जूनियर इंजीनियर पर उपभोक्ता ने हमला कर दिया। उपभोक्ता ने उसका कॉलर पकड़ा और दोबारा आने पर जान से मार डालने की धमकी दे डाली। पूरा मामला कांकेर कोतवाली क्षेत्र का है। जहां छत्तीसगढ़ स्टेट पवार डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के जूनियर इंजीनियर ने कांकेर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि बिजली बिल की राशि वसूलने के दौरान एक उपभोक्ता ने जान से मारने की धमकी दी है। कांकेर एसडीओपी मोहशीन खान ने बताया कि छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कम्पनी में जूनियर इंजीनियर अनिल कुमार नामदेव अपने कर्मचारी हिमालय नाग, युवानंद पटेल, हलधर साहू, प्रदीप बघेल, अविनाश मण्डावी के साथ बकाया बिल की राशि वसूलने निकले थे। इस दौरान जवाहर वार्ड निवासी विद्युत उपभोगता दाम्यंती राजपूत के घर अपने विभाग के कर्मचारी के साथ बिजली बिल वसुल करने गए। जिसकी बकाया राशि 10 हजार रुपये से अधिक थी, जिसे रूपये मांगने पर उपभोक्ता के बेटे ने गाली-गलौज की और उनके साथ मारपीट शुरू कर दी।

डीएलसीसी एवं डीएलआरसी की बैठक 19 को

कोरबा। मार्गदर्शी बैंक योजना अंतर्गत जिला

पुनरीक्षा समिति एवं जिला परामर्शदात्री समिति की बैठक कलेक्टर श्री संजीव झा की अध्यक्षता में 19 जुलाई 2023 को शाम 04 बजे आयोजित की जाएगी। कलेक्टोरेट सभा कक्ष में आयोजित की जाएगी। बैठक में विभिन्न शासकीय योजनाओं हेतु वित्तीय वर्ष की उपलब्धि पर चर्चा, पीएमईजीपी और मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना पर चर्चा, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, सुरक्षा बीमा योजना एवं अटल पेंशन योजना पर भी चर्चा की जाएगी। साथ ही प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, जन-धन योजना, ग्रामीण क्षेत्रों में नवीन बैंक शाखा स्थापना एवं पशुपालकों, मत्स्य पालकों एवं उद्यानिकी हेतु किसान क्रेडिट कार्ड पर भी चर्चा की जाएगी।

मालगाड़ी की चपेट में आई बोलेरो, दो घायल

कोरबा। मानवरहित समपार क्रासिंग में एक बोलेरो मालगाड़ी के चपेट में आ गई। लगभग 100 मीटर तक बोलेरो इंजन में फंस कर घिसटते हुए चली गई। घटना में एसईसीएल का डिप्टी सर्वेयर व चालक को चोट आई है। जिसे उपचार के लिए अस्पताल में दाखिल कराया गया है। साउथ ईस्टर्न कोलफिल्ड्स लिमिटेड एसईसीएल की कुसमुंडा परियोजना में डिप्टी सर्वेयर के पद कुबेर कुमार सिंह पदस्थ हैं। लगभग तीन माह पहले ही दीपका परियोजना से उनका तबादला कुसमुंडा क्षेत्र में हुआ थाए इसलिए गेवरा स्थित कालोनी से कंपनी द्वारा किराए पर अधिग्रहित की गई बोलेरो क्रमांक सीजी 12 बीडी 8661 में आना-जाना करते हैं। गुरुवार को कुबेर कुमार अपने वाहन में चालक के साथ वापस लौट रहे थे। कुसमुंडा-दीपका मार्ग में कुचैना के निकट गंगानगर से होकर गुजरे रेलवे के मानवरहित समपार क्रासिंग को बोलेरो चालक पार करने की कोशिश करने लगा, तभी एनटीपीसी कोरबा संयंत्र से कोयला गेवरा जा रही मालगाड़ी पहुंच गई और बोलेरो को टक्कर मारते हुए घसीटते हुए ले गई।

पेंड्रारोड स्टेशन का नाम बदलकर गौरेला करने की मांग

गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही। देशभर में 12 से ज्यादा रेलवे स्टेशनों का नाम बदला जा चुका है. सांस्कृतिक विरासत को सहेजने और प्राचीन काल में जिन नगरों को जिस कारण से जाना जाता रहा है, उसी क्रम को आगे बढ़ाते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर जोन के बिलासपुर कटनी रेल खण्ड के सबसे महत्वपूर्ण रेल्वे स्टेशन पेंड्रारोड का नाम बदलकर गौरेला करने की मांग नगर विकास समिति द्वारा की गई है. इसे लेकर समिति ने बिलासपुर से लोकसभा सांसद अरुण साव को रेलमंत्री को संबोधित करते हुए ज्ञापन सौंपा है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि गौरेला नगर के नाम से हमारे इतिहास, सांस्कृतिक प्रचीनता का बोध होता है. प्राचीन काल में यहां बड़ी संख्या में गायों का पालन होता था. कभी यहां गायों का रेला लगता था इसलिए पशुपालन के गौरव को अपने नाम का बोध कराते हुये नगर का प्राचीन नाम गौरेला रखा गया था। बताया जाता है कि अंग्रेजों की बांटो और राज करो की कूटनीति के कारण स्टेशन के नामकरण में गौरेला की विरासत को मिटाते हुए स्टेशन का नाम पेण्ड्रारोड रख दिया गया।

महापौर ने वार्डवासियों से समस्याओं की ली जानकारी

कोरबा। महापौर राजकिशोर प्रसाद ने वार्ड क्र. 21 बुधवारी बस्ती क्षेत्र के वार्डवासियों से उनकी समस्याओं व आवश्यकताओं पर विस्तार से चर्चा की तथा सड़क, नाली, पानी, बिजली, साफ-सफाई सहित अन्य कार्यो से संबंधित समस्याओं के निराकरण एवं इनसे संबंधित निर्माण कार्यो को कराए जाने के निर्देश अधिकारियों को दिए। अपनी विशिष्ट कार्यशैली के अनुरूप महापौर श्री राजकिशोर प्रसाद ने कोसाबाड़ी जोन के अंतर्गत आने वाले वार्ड क्र. 21 बुधवारी में पहुंचकर वहां के निवासियों से उनकी विभिन्न विकास संबंधी समस्याओं व आवश्यकताओं पर विस्तार से चर्चा की, बस्तीवासियों ने महापौर को वार्ड के विभिन्न स्थानों की छोटी-बड़ी समस्याओं से अवगत कराया, जिस पर उन्होने इन समस्याओं के निराकरण तथा आवश्यकतानुसार इनसे संबंधित विकास कार्यो को कराए जाने के संबंध में त्वरित रूप से आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश निगम के अधिकारियों को दिए।

चाटीडीह में डायरिया मरीजों की संख्या 100 पार, सिम्स में 40 भर्ती

■ **चाटीडीह में लगा स्वास्थ्य शिविर,बदले जा रहे हैं लिकेज पाइप लाइन**

बिलासपुर। चाटीडीह में डायरिया रुकने का नाम नहीं ले रहा है। मरीजों की संख्या 100 पार हो चुकी है। वही देर रात सिम्स में एक और बुजुर्ग की मौत हो गई है। 24 घन्टे के भीतर डायरिया से दो मौत हो चुकी है। ऐसे में स्वास्थ्य विभाग का शिविर मौके पर संचालित हो रहा है, जहां लगातार नए मरीज मिलते जा रही है। प्रारंभिक जांच के मुताबिक नाली के अंदर से जाती लिकेज पाइपलाइन ही डायरिया की मुख्य वजह बनी है। लोगों के घरों में दूषित पानी पहुंच रहा है, जिसे पीकर ही लोग बीमार पड़ रहे हैं। विधायक शैलेष पांडे शिविर में स्वंय पहुंचे और अस्पताल जाकर मरीजों से बातचीत की। निगम

प्रशासन के साथ वे लगातार संपर्क बनाये हुए हैं। हालांकि शासकीय तौर पर दोनों मौत की वजह डायरिया की वजह से होना नहीं बताया गया है। शुक्रवार की दोपहर अचानक चाटीडीह के लोग बीमार पडने लगे और उल्टी, दस्त से हालत गम्भीर होने लगी। देर शाम तक 40 लोगों को सिम्स में भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सकों ने जांच के दौरान दूषित पानी के सेवन से बीमार होने की आशंका जताई। वही देर रात में गंभीर हालत में पहुचीं एक बुजुर्ग महिला के उसके बाद एक बुजुर्ग पुरुष की मौत हो गई। जिससे स्वास्थ्य विभाग और नगर निगम प्रबन्धन में हड़कंप मच गया। वही शनिवार की सुबह से स्वास्थ्य विभाग की टीम ने क्षेत्र में जांच शिविर लगाकर लोगों की जांच शुरू किया। जहा भी लगातार डायरिया के मरीज मिलते गए हैं, दोपहर तक की स्थिति में 100 से ज्यादा मरीज की पहचान की जा चुकी है। जिनका इलाज किया जा रहा है। नगर निगम के जल विभाग के प्रभारी अजय श्रीवासन ने बताया कि दूषित पानी से बीमार होने की आशंका को देखते हुए हैं, पूरे क्षेत्र में नया पाइपलाइन बिछने का काम किया जा रहा है। लोगो को साफ पानी जल्द से जल्द उपलब्ध हो जाएगा। साथ ही जानकारी दी कि पानी का सेंपल लिया गया है, पानी की रिपोर्ट के मुताबिक आगे का काम किया

दंतैल हाथी ने जमकर मचाया उत्पात कई घरों को तोड़ा, दहशत में ग्रामीण

कांकेर। कांकेर के चारामा वन परिक्षेत्र में एक बार फिर दंतैल हाथी पहुंच गया है। दंतैल हाथी रात में चारामा के दरगाहन, कोटेला, कुरूटोला और भिरौद गांव में छह से अधिक मकानों को नुकसान पहुंचाया है। हाल ही में इस दंतैल हाथी ने पखांजूर परिक्षेत्र में एक युवक की जान ले ली थी। वन परिक्षेत्र अधिकारी चारामा ने बताया कि पखांजूर, दुर्गुकोंदल, कापसी में घूम रहा हाथी बालोद जिले की सीमावर्ती गांव से चारामा परिक्षेत्र में घुस गया है।

चारामा वन परिक्षेत्र के विभिन्न गांव को पार कर हाथी आगे आगे बढ़ रहा है। हाथी की सुबह की लोकेशन पंडरीपानी में थी। हाथी ने रात भर में कुररूटोला और भिरौद गांव में छह से अधिक मकानों को नुकसान पहुंचाया है। जिसका आंकलन किया जा रहा है। गांव में मुनादी कराकर गांव वालों से अपील की जा रही है कि हाथी के आस-पास न जाएं। दंतैल हाथी के अचानक चारामा परिक्षेत्र के

गांव में आने से लोगों में दहशत का माहौल है। जिन ग्रामीणों के घरों को नुकसान पहुंचाया गया वे दूसरे के घरों में शरण ले रहे हैं। गांव के बीच बस्ती में हाथी घुमता रहा। कई ग्रामीणों के घरों में रखे धान को भी हाथी चट कर गया है। जंगली दंतैल हाथी के हमले से कुछ दिन पूर्व पखांजूर वन परिक्षेत्र में एक युवक की मौत भी हो चुकी है बरहाल वन विभाग हाथी की निगरानी कर रहा है।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

नरेंद्र सिंह तोमर चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक बनाए गए

नईदिल्ली। भाजपा ने शनिवार को केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर को आगामी मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए अपनी चुनाव प्रबंधन समिति का संयोजक नियुक्त किया है। मध्य प्रदेश को लेकर भाजपा का यह बड़ा दावा माना जा रहा है। एक अनुभवी संगठन नेता, तोमर ने मध्य प्रदेश अध्यक्ष सहित पार्टी में विभिन्न पदों पर काम किया है, और उन्हें एक कम प्रोफ़ाइल वाला नेता माना जाता है, जिनके विभिन्न क्षेत्रीय क्षत्रपों के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध हैं। तोमर ग्वालियर-चंबल क्षेत्र से भी आते हैं जहां 2018 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस से हार के बाद भाजपा अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए लगातार काम कर रही है। इसकी क्षेत्र से ज्योतिरादित्य सिंधिया भी आते हैं। केंद्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव को हाल ही में मध्य प्रदेश के लिए भाजपा का चुनाव प्रभारी बनाया गया था। भाजपा शासित राज्य में इस साल के अंत में राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम के साथ चुनाव होने की उम्मीद है।

नड्डा ने चिराग को एनडीए की बैठक के लिए आमंत्रित किया

नईदिल्ली। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के नेता चिराग पासवान के 18 जुलाई को भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की बैठक में भाग लेने की संभावना है। मोदी सरकार के खिलाफ एकजुट होने के विपक्ष के व्यस्त प्रयासों के बीच सत्तारूढ़ दल शक्ति प्रदर्शन करने के लिए पूरी ताकत लगा रहा है। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान को पत्र लिखकर 18 जुलाई को दिल्ली में होने वाली एनडीए की बैठक में आमंत्रित किया है। नड्डा ने हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के अध्यक्ष जीतन राम मांझी को भी बैठक के लिए आमंत्रित किया है। चिराग पासवान ने नड्डा की चिट्ठी को लेकर अपनी बात कही है। उन्होंने कहा कि हम पार्टी नेताओं से सलाह-मशविरा करने के बाद अंतिम फैसला लेंगे। उन्होंने कहा कि हमने समय-समय पर विभिन्न मुद्दों पर बीजेपी का समर्थन किया है, लेकिन एनडीए की बैठक में जाना है या नहीं, इस पर अंतिम फैसला पार्टी नेताओं के साथ बैठक के बाद लिया जाएगा।

मुझे अपने परिवार से मिलने का पूरा अधिकार : अजित

मुंबई। उपमुख्यमंत्री अजित पवार प्रतिभा पवार को अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद उनसे मिलने के लिए राकांपा सुप्रीमो शरद पवार के आधिकारिक आवास सिल्वर ओक गए। अपने चाचा के खिलाफ बगावत करने, राकांपा को विभाजित करने और 2 जुलाई को एकनाथ शिंदे सरकार में शामिल होने के बाद अजीत पवार की सिल्वर ओक की यह जाहिर तौर पर पहली यात्रा है। अजित पवार से इसको लेकर आज मीडिया ने सवाल पूछा। उन्होंने कहा कि मुझे अपने परिवार से मिलने का पूरा अधिकार है। मेरी चाची बीमार थीं और उन्हें कल अस्पताल से छुट्टी मिल गई थी, इसलिए मैं उनसे मिलने गया। साथ ही साथ इस बात के भी संकेत मिले हैं कि वहां शरद पवार और सुप्रिया सुले भी मौजूद थे। अजित ने एक बार फिर से अपने चाचा शरद पवार को अपना प्रेरणास्रोत बताया है। अजित पवार ने यह भी बताया है कि शरद पवार ने उन्हें शिक्षा विभाग से संबंधित मसले का एक पत्र भी दिया है।

हेट स्पीच मामले में आजम को कोर्ट ने सुनाई दो साल की सजा

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान के लिए मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। हेट स्पीच मामले में उन्हें रामपुर की एक अदालत ने शनिवार को दोषी करार दिया। इसके बाद उन्हें 2 साल की सजा सुनाई गई है। पूरा मामला 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान का है। आजम खान पर शहजाद नगर थाना क्षेत्र के धमोरा में हेट स्पीच देने का आरोप था। इसको लेकर 8 अप्रैल को एक मामला दर्ज कराया गया था। आजम खान पर आरोप है कि उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, तत्कालीन रामपुर जिला चुनाव अधिकारी और चुनाव आयोग को निशाना बनाते हुए भड़काऊ बयान दिया था। हालांकि, यह पहला मौका नहीं है जब आजम खान को हेट स्पीच के मामले में दोषी करार दिया गया है। इससे पहले भी उनपर अप्रैल 2019 के हेट स्पीच के मामले में दोषी करार दिया गया था। उन्हें इस मामले में 3 साल की सजा सुनाई गई थी। इसके बाद आजम खान की विधायकी भी चली गई थी।

विधि आयोग का इस्तेमाल कर रही भाजपा : ओवैसी

नईदिल्ली। समान नागरिक संहिता को लेकर देश में जबरदस्त तरीके से चर्चा जारी है। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी भी लगातार इसका विरोध कर रहे हैं। इन सबके बीच ओवैसी ने साफ तौर पर आरोप लगाया कि भाजपा विधि आयोग का इस्तेमाल कर रही है। औवैसी ने अपने बयान में कहा कि 14 जून 2023 को विधि आयोग ने लोगों और पार्टियों से अपना विचार (यूसीसी पर) देने के लिए कहा था, उसके संबंध में हमने अपनी पार्टी की तरफ से पत्र भेजा है। मैंने ये कहा है कि विधि आयोग को ये बताना चाहिए कि यूसीसी क्या है? विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए ओवैसी ने कहा कि आप (विपक्ष) भाजपा को 2024 में हराना चाहते हैं तो फर्क तो दिखाइए, या फिर आप भाजपा के एजेंडा पर ही चलेंगे। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं पता कि वो लोग (विपक्ष) उस विषय(यूसीसी) पर बात करेंगे या नहीं, मगर आपको फर्क दिखाना पड़ेगा।

भाजपा ने आम आदमी पार्टी के आरोपों पर किया पलटवार

केजरीवाल कुव्यवस्था का ठीकरा दूसरों पर फोड़ने में व्यस्त हैं : भाजपा

नई दिल्ली। राजधानी में यमुना नदी के बढ़े जलस्तर बने बाढ़ के हालात के बीच जहां आम लोग तमाम परेशानियों का सामना कर रहे हैं वहीं दूसरी तरफ आम आदमी पार्टी और बीजेपी के बीच आरोप और प्रत्यारोप का दौर जारी है। दिल्ली सरकार में मंत्री और आम आदमी पार्टी के नेता सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाते हुए कहा था कि दिल्ली को जानबूझकर डुबाया गया, हथिनीकुंड बैराज से अतिरिक्त पानी केवल दिल्ली भेजा गया। हथिनीकुंड बैराज से केवल दिल्ली के लिए पानी छोड़ा गया जबकि पश्चिमी नहर के लिए कोई पानी नहीं छोड़ा गया।

इसके जवाब में बीजेपी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा, दिल्ली में जल संकट आया है और आम आदमी पार्टी के नेता व मंत्री बता रहे हैं कि गलती हरियाणा सरकार की है। भारतीय सेना जो दिन रात जनता की सेवा में लगी है वह षड्यंत्र कर रही है, केंद्र सरकार, एलजी साहब और एनडीआरएफ की टीमें षड्यंत्र कर रही है और शीशमहल में बैठकर जो एसी का आनंद

ले रहा है, वह मुख्यमंत्री सही है।

गौरव भाटिया ने आगे कहा, पिछले 9 वर्षों में यमुना को साफ करने के लिए 6,800 करोड़ रुपये खर्च हुए। ये जो डिसिल्टिंग का काम है इरिगेशन डिपार्टमेंट के अंतर्गत आता है। तो पहले ये बताइए कि आप यमुना की डिसिल्टिंग क्यों नही कर पाए? पिछले साल भी भाजपा ने ये मुद्दा उठाया और आपसे पूछा कि डिसिल्टिंग क्यों नहीं हो रही है? इससे बाढ़ आने का खतरा है, लेकिन आपने उसका संज्ञान भी नहीं लिया। आज प्रदेश में सरकार आप की, दिल्ली जल बोर्ड आप का, एमसीडी आप का इसके बाद भी दोषारोपण दूसरों पर... ऐसा क्यों?

बीजेपी ने आरोप लगाया कि झूठे वादों को सीढ़ियां बना केजरीवाल ने खुद को मालामाल और दिल्ली वालों को बाढ़ से बेहाल बनाया है। दिल्ली डूबी है लेकिन केजरीवाल अपने शीशमहल में बैठ अपनी कुव्यवस्था का ठीकरा दूसरों पर फोड़ने में व्यस्त है। जनता इसका हिसाब जरूर करेगी।

बीजेपी सांसद प्रवेश सिंह ने कहा, ऐसे समय में जब केजरीवाल को एनडीआरएफ का धन्यवाद करना चाहिए, ऐसे में वह एनडीआरएफ पर दोषारोपण कर रहे हैं। ये कोई पहली बार नहीं है, इससे पहले केजरीवाल ने पुलवामा के दौरान भी भारतीय सेना और अर्द्धबलों पर सवाल उठाया था और उनके मनोबल को गिराया था।

केजरीवाल की आदत में शामिल है दूसरों पर आरोप लगाना : अनिल विज

चंडीगढ़। दिल्ली में आई बाढ़ को लेकर दिल्ली सरकार और हरियाणा सरकार आमने-सामने आ गई हैं। दिल्ली सरकार के आरोप के बाद शनिवार को हरियाणा के गृहमंत्री अनिल विज ने जवाब दिया है। मीडिया से बात करते हुए हरियाणा सरकार के मंत्री ने कहा कि केजरीवाल की आदत में शामिल है दूसरों पर आरोप लगाना। उन्होंने कहा कि पानी का स्वभाव ऊपर से नीचे की तरफ जाने का होता है। हथिनी कुंड से दिल्ली काफी नीचे है। उन्होंने आगे कहा कि हमारे प्रदेश में भी पानी हिमाचल और पंजाब से आया है, लेकिन हम तो दोषारोपण नहीं कर रहे हैं। हम अपने पानी के इंतजाम करने के प्रयास कर रहे हैं। अनिल विज ने कहा, केजरीवाल बहुत समझदार हैं, वो पानी का स्वभाव बदल दें... यमुना किनारे हमारे भी जितने गांव और शहर हैं, उनमें भी उतना ही पानी आया है। दिल्ली से पानी निकलने के बाद फिर से हरियाणा में पानी आता है। हम क्या जानबूझकर अपने ज़िलों में पानी छोड़ेंगे। दरअसल, दिल्ली की आम आदमी पार्टी की सरकार ने हरियाणा पर यह आरोप लगाया है कि दिल्ली में जानबूझकर हरियाणा की तरफ से पानी छोड़ा गया, जिसके कारण राष्ट्रीय राजधानी में बाढ़ आई। शनिवार को ही दिल्ली की पीडब्ल्यूडी मंत्री आतिशी ने कहा कि अगले 12 घंटो में दिल्ली वालों को राहत मिलेगी...ये बहुत बड़ा सवाल है कि सारा पानी सिर्फ दिल्ली के लिए क्यों छोड़ा जा रहा था। हथिनीकुंड बैराज से जो पानी यूपी और हरियाणा जाता है उसके लिए एक बूंद पानी नहीं छोड़ा गया...हरियाणा को इसका जबाव देना पड़ेगा।

दिल्ली को डूबाने की रची गई थी साजिश : सौरभ भारद्वाज

नईदिल्ली। 208.66 मीटर की रिकॉर्ड ऊंचाई को छूने के बाद यमुना धीरे-धीरे कम होने लगी। हालांकि, इसको लेकर राजनीति भी खूब हो रही है। दिल्ली की सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) ने आरोप लगाया है कि हरियाणा के हथिनीकुंड बैराज से राष्ट्रीय राजधानी की ओर अतिरिक्त पानी छोड़ कर दिल्ली को डूबाने की साजिश रची गई थी। एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, दिल्ली के सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि बाढ़ की स्थिति शहर को डूबाने की साजिश है। उन्होंने कहा कि जानबूझ कर दिल्ली को डुबोया जा रहा है। हथिनीकुंड बैराज से अतिरिक्त पानी केवल दिल्ली भेजा जाता था। सुप्रीम कोर्ट समेत दिल्ली के सभी महत्वपूर्ण संस्थानों को जलमग्न करने की भी साजिश थी। उन्होंने दावा किया कि बैराज से अतिरिक्त पानी हरियाणा में पश्चिमी नहर और उत्तर प्रदेश में पूर्वी नहर की ओर नहीं छोड़ा जा रहा है। दिल्ली की पीडब्ल्यूडी मंत्री आतिशी ने सवाल किया कि क्या शहर में बाढ़ की स्थिति से बचा जा सकता था। उन्होंने कहा कि लोगों को अगले 12 घंटों में उफनती यमुना से राहत मिल जाएगी क्योंकि जल स्तर धीरे-धीरे लेकिन धीरे-धीरे कम हो रहा है। उन्होंने कहा कि यह बड़ा सवाल है कि हथिनीकुंड बैराज से सारा पानी सिर्फ दिल्ली के लिए ही क्यों छोड़ा गया?

प्रधानमंत्री के फ्रांस दौरे से खफा हुए राहुल गांधी, बोले-

राफेल ने मोदी को बैस्टिल डे परेड का टिकट दिला दिया : राहुल

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने दो दिवसीय फ्रांस दौरे और इसके बाद यूएई के दौरे पर हैं। इस बीच, भारत में विपक्ष की बड़ी पार्टी कांग्रेस इस दौरे पर आलोचना कर रही है और पीएम मोदी पर तंज कस रही है।

शनिवार को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने एक ट्वीट के जरिए नरेंद्र मोदी पर तंज कसते हुए उनके फ्रांस दौरे पर नाराजगी जताई। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि मणिपुर हिंसा पर तो पीएम चुप है लेकिन वह फ्रांस और यूएई का दौरा कर रहे हैं। राहुल गांधी ने कहा कि राफेल डील ने पीएम मोदी को फ्रांस में बैस्टिल डे का टिकट दिला दिया है। राहुल ने मणिपुर में जारी हालात पर मोदी की प्रतिक्रिया की कमी पर भी सवाल उठाया। कांग्रेस नेता ने अपने ट्वीट में कहा, मणिपुर जल गया। ईयू संसद में भारत के आंतरिक मामले पर चर्चा पीएम ने इस पर एक शब्द भी नहीं कहा! इस बीच, राफेल ने उन्हें बैस्टिल डे परेड का टिकट दिला दिया।

मालूम हो कि राफेल पर राहुल गांधी की टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब रक्षा मंत्रालय ने अपने नवनिर्मित विमान वाहक पर तैनाती के लिए अतिरिक्त 26 राफेल लड़ाकू जेट खरीदने की अपनी योजना की घोषणा की है। इसके अलावा, मंत्रालय तीन और स्कॉर्पीन श्रेणी की पनडुब्बियां खरीदने का भी इरादा रखता है। इस सौदे का मूल्य अरबों यूरो के दायरे में होने का अनुमान है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, आज ही इस समझौते को लेकर पुष्टि की गई है और इससे भारतीय नौसेना की ताकत में इजाफा होगा।

उन्होंने पीएम मोदी के फ्रांस में रहकर दिल्ली बाढ़ के बारे में अपडेट लेने पर तंज करते हुए ट्वीट किया और कहा कि यह सुनकर अच्छा लगा कि प्रधानमंत्री ने दिल्ली में बाढ़ की स्थिति पर चिंता जताई है और कहा कि उन्हें मणिपुर में भी दिलचस्पी दिखानी चाहिए, जो अभी भी जल रहा है।

दरअसल, 3 मई से जारी मणिपुर में हिंसा की आग अभी तक भड़क रही है और शांत होने के नाम नहीं ले रही है। इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री की ओर से अभी तक कोई बयान सामने नहीं आया है जिसे लेकर कांग्रेस लगातार पीएम से जवाब मांग रही है। राज्य में मैतई और कुकी समुदाय के बीच जारी हिंसा में अब तक कई लोगों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा है वहीं राज्य में आगजनी और हिंसा के मामलों के कारण लोग पलायन को मजबूर हो गए हैं।

राफेल पर राहुल के दिए बयान पर स्मृति ईरानी का पलटवार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की फ्रांस यात्रा और मणिपुर मुद्दे पर चुप्पी की आलोचना करने को लेकर केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने शनिवार को कांग्रेस नेता और पूर्व सांसद राहुल गांधी की आलोचना करते हुए उन्हें कुंठित वंशवादी कहा। पीएम मोदी गुरुवार को फ्रांस पहुंचे थे। वह शुक्रवार को बैस्टिल डे परेड में सम्मानित अतिथि के रूप में शामिल हुए। हालांकि, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि यूरोपीय संघ की संसद में भारत के आंतरिक मामले मणिपुर पर चर्चा हुई, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक शब्द नहीं बोला। राहुल के ट्वीट पर पलटवार करते हुए केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा कि एक व्यक्ति जो भारत के आंतरिक मामलों में अंतरराष्ट्रीय हस्तक्षेप चाहता है, एक निराश राजवंश जो मेक इन इंडिया की महत्वाकांक्षा को ठेस पहुंचाता है। उन्होंने आगे कहा कि जब हमारे प्रधानमंत्री को राष्ट्रीय सम्मान मिलता है तो वो व्यक्ति भारत का मजाक उड़ाता है, लोगों द्वारा खारिज किए जाने के बाद, वे इस बात से नाराज हैं कि रक्षा अनुबंध अब राजवंश के दरवाजे पर नहीं हैं।

खेल
प्रमुख समाचार

भारत ने वेस्टइंडीज को पारी और 141 रन से हराया

रोसीयू। दुनिया के शीर्ष गेंदबाज रविचंद्रन अश्विन ने लगातार दूसरी बार पारी के पांच विकेट लिये जिसकी मदद से भारत ने वेस्टइंडीज को पहले क्रिकेट टेस्ट में तीसरे ही दिन एक पारी और 141 रन से हरा दिया। भारत ने पहली पारी शुक्रवार को पांच विकेट पर 421 रन पर घोषित करके 271 रन की बढत ली थी। पहली पारी में 150 रन बनाने वाली कैरेबियाई टीम दूसरी पारी में 50 ओवर में 130 रन पर ढेर हो गई। पहली पारी में भी सात विकेट लेने वाले अश्विन ने दूसरी पारी में 21 . 3 ओवर में 71 रन देकर सात विकेट लिये। एक पारी में पांच या अधिक विकेट लेने का कारनामा उन्होंने 33वीं बार किया है।

भारत की जीत के सूत्रधार यशस्वी जायसवाल भी रहे जिन्होंने पहले ही टेस्टमें 171 रन बनाये। विराट कोहली ने 182 गेंद में 76 रन बनाये लेकिन उनकी पारी प्रवाहपूर्ण नहीं थी और उन्हें रन बनाने के लिये काफी मशक्कत करनी पड़ी। इसके अलावा उन्हें दो जीवनदान भी मिले। दूसरा और आखिरी टेस्ट पोर्ट आफ स्पेन में 20 जुलाई से खेला जायेगा। भारत ने 2002 से वेस्टइंडीज में एक भी टेस्ट नहीं गंवाया है और उसकी नजरें क्लीन स्वीप करके विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के अहम अंक लेने पर होंगी। वेस्टइंडीज की दूसरी पारी की शुरूआत बेहद खराब रही और उसके चार विकेट 32 रन पर ही गिर गए थे। धीमी और सूखी विकेट पर भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने पांचवें ही ओवर में स्पिनरों को गेंद थमा दी। चाय के समय तक वेस्टइंडीज का स्कोर दो विकेट पर 27 रन था। रविंद्र जडेजा ने टी चंद्रपाल को और अश्विन ने क्रेग ब्रेथवेट को पवेलियन भेजा। दोनों ने सात सात रन का योगदान दिया। वेस्टइंडीज के लिये मध्यक्रम में सिर्फ एलिक अथानाजे कुछ देर टिक सके जिन्होंने 44 गेंद में 28 रन बनाये। वह अश्विन की गेंद पर शॉर्ट लेग में जायसवाल को कैच देकर लौटे। इसके बाद कोई भी कैरेबियाई बल्लेबाज टिककर नहीं खेल सका।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

एसबीआई ने कर्ज पर ब्याज दर 0.05 फीसदी बढ़ाई

नईदिल्ली। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने कोष की सीमांत लागत आधारित ब्याज दर 0.05 फीसदी बढ़ा दी है। सभी अवधि के कर्ज के लिये की गयी इस वृद्धि से कर्जदारों के लिये मासिक किस्त बढ़ेगी। इस वृद्धि के साथ उन कर्जदाताओं की मासिक किस्त (ईएमआई) बढ़ेगी, जिन्होंने कोष की सीमांत लागत आधारित ब्याज दर (एमसीएलआर) पर कर्ज लिया है। इससे उन कर्जदारों पर फर्क नहीं पड़ेगा, जिन्होंने अन्य मानक ब्याज दरों पर कर्ज लिया है। एसबीआई की वेबसाइट पर उपलब्ध सूचना के अनुसार संशोधित एमसीएलआर दर 15 जुलाई से प्रभावी हो गई। इस वृद्धि के साथ एक साल के लिये एमसीएलआर बढ़कर 8.55 प्रतिशत हो गयी है, जो अबतक 8.50 प्रतिशत थी। ज्यादातर कर्ज एक साल की एमसीएलआर दर से जुड़े होते हैं। एक महीने और तीन महीने की एमसीएलआर 0.05 फीसदी बढ़कर क्रमश: 8% और 8.15% हो गयी है।

ट्विटर ने शुरू किया ऐड रेवेन्यू शेयरिंग प्रोग्राम

नईदिल्ली। सोशल मीडिया की दिग्गज कंपनी ट्विटर क्रिएटर्स के लिए खुशखबरी लेकर आई है। अब ट्विटर पर ट्वीट करने वाले वेरिफाइड कंटेंट क्रिएटर्स ट्विटर के जरिए भी पैसा कमा सकेंगे। कुछ ही दिनों पहले कंपनी ने ऐलान किया था कि वह जल्द ही कंकेंट क्रिएटर्स के लिए मोनेटाइजेशन के कई ऑप्शन लेकर आएगी और अब कंपनी उनमें से एक की लॉन्चिंग भी कर रही है। ट्विटर ने एड रेवेन्यू शेयरिंग प्रोग्राम लॉन्च कर दिया है। इसका मतलब यह है कि अब जब भी क्रिएटर्स कोई भी पोस्ट करेंगे तो उसके बदले कंपनी को जो रेवेन्यू मिलेगा उसमें से कुछ हिस्सा क्रिएटर्स को भी मिलेगा। रेवेन्यू प्राप्त करने के लिए कंपनी क्रिएटर्स के ट्वीट के रिप्लाई में विज्ञापन (एड) देगी और उसके बदले में क्रिएटर्स को पैसा।

जियो फाइनैंशियल सर्विसेज का डिमर्जर अगले हफ्ते

नईदिल्ली। मुकेश अंबानी की नजर अब फाइनैंशियल सर्विस इंडस्ट्री पर अपना सिक्का जमाने पर है। वह देश का पांचवा सबसे बड़ा प्राइवेट फाइनैंशियल इंस्टीट्यूशन बनाने के बेहद करीब हैं। रिलायंस के फाइनैंशियल कारोबार का डिमर्जर अगले हफ्ते होने जा रहा है। हाल के दिनों में रिलायंस के शेयरों में तेजी देखी जा रही है। ऐसे में बाजार विश्लेषकों को उम्मीद है कि डिमर्जर के बाद जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के शेयर रॉकेट की तेजी से ऊपर चढ़ सकते हैं। रिलायंस ने वित्त वर्ष 2024 के लिए पहली तिमाही के नतीजों की घोषणा से ठीक एक दिन पहले 20 जुलाई 2023 को जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के डिमर्जर की रिकॉर्ड तिथि निर्धारित की है। इस डीमर्जर के बाद, आरआईएल के लिए वैल्यू अनलॉकिंग होगी, जबकि इसका सारा फाइनैंशियल कारोबार जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के पास चला जाएगा, जिसके पास आरआईएल में 6.1 फीसदी हिस्सेदारी है।

भारत ने कच्चे तेल पर बढ़ाया विंडफॉल टैक्स, नई दरें लागू

नईदिल्ली। सरकार ने कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स बढ़ा दिया है। नई दरें 15 जुलाई से लागू हो गई है। सरकार की ओर से जारी नोटिफिकेशन के मुताबिक, सरकार ने शुक्रवार को क्रूड ऑयल के घरेलू उत्पादन पर टैक्स (विंडफॉल टैक्स) को शून्य से बढ़ाकर 1,600 रुपये प्रति मीट्रिक टन कर दिया है। वित्त मंत्रालय ने एक नोटिफिकेशन में कहा कि सरकार ने डीजल, पेट्रोल और विमानन टरबाइन ईंधन पर विंडफॉल टैक्स को शून्य पर छोड़ दिया है। बता दें कि भारत ने मई में पेट्रोलियम कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स को 4,100 रुपये प्रति मीट्रिक टन से घटाकर शून्य कर दिया था।

भारत का सेमीकंडक्टर मिशन और फॉक्सकॉन का झटका

बिक्रम उपाध्याय

वेंदाता के साथ सेमीकंडक्टर बनाने के संयुक्त उद्यम से ताइवान की बहुराष्ट्रीय कंपनी फॉक्सकॉन का अलग हो जाना कॉरपोरेट जगत की बड़ी खबर हो सकती है, लेकिन इससे भारत के सेमीकंडक्टर मिशन को झटका लगेगा, इस दावे में कोई दम नहीं है। फॉक्सकॉन के बिजनेस और भारत के बाजार के बीच ऐसा समीकरण बन चुका है कि फॉक्सकॉन को झक मार कर आज नहीं तो कल भारत में सेमीकंडक्टर निर्माण में आना ही पड़ेगा। कंप्यूटर, मोबाईल, इलेक्ट्रिक कार और हेल्थ इक्रिपमेंट की असेम्बिलिंग और उत्पादन से जुड़ी फॉक्सकॉन भारत को नजरंदाज कर दे, यह किसी बिजनेस मांइड का काम हो ही नहीं सकता।

भले ही राजनीतिक और कूटनीतिक कारणों से दिल्ली से लेकर बीजिंग तक यह हौव्वा तैयार किया जा रहा है कि ताइवानी कंपनी के फैसले से मोदी सरकार को झटका लगा है, पर इसमें जरा भी सच्चाई नहीं है। जिस समाचार एजेंसी रॉयटर ने फॉक्सकॉन और वेदांता के बीच 19.5 अरबर डॉलर के सेमीकंडक्टर उत्पादन के समझौते को टूट जाने की खबर 10 जुलाई को दी, उसी रॉयटर ने आठ घंटे बाद ही फॉक्सकॉन के हवाले से बताया कि कंपनी सेमीकंडक्टर पर सरकार द्वारा दी जाने वाली रियायतों का लाभ उठाने के लिए अलग आवेदन करेगी। यह खबर गलत नहीं हो सकती। आखिर क्यों 11 और 12 जुलाई को फॉक्सकॉन की ओर से बार बार यह कहा गया? कोई कह सकता है कि तत्काल विवाद को ठंडा करने के लिए फॉक्सकॉन ने यह बयान जारी कर दिया हो। पर जो इस कंपनी के कारोबार और काम करने के तरीके को जानते हैं उन्हें फॉक्सकॉन के बयान पर यकीन जरूर होगा।

फॉक्सकॉन मूलत: ताइवान की कंपनी है। इसका असली नाम होन हाई प्रिसिजन इंडस्ट्री है। वैसे तो इसका कारोबार पूरी दुनिया में है, लेकिन चीन में इसकी व्यापक मौजूदगी है। बल्कि एक पूरा औद्योगिक शहर फॉक्सकॉन सिटी के नाम से जाना जाता है। 2022 में इसकी कुल आय 216 अरब डॉलर थी। फॉक्सकॉन इलेक्ट्रानिक वस्तुओं की टेक्नोलॉजी व एसेम्बली में दुनिया में नंबर एक कंपनी है। ब्लैकबेरी, आई पैड, आई फोन, आईपॉड, किंडल, गेमक्यूब, कंप्यूटर मदर बोर्ड, एक्स बॉक्स कंसोल जैसे तमाम उत्पादों और ब्रांडों का निर्माण यह कंपनी करती रही है। अब यह कंपनी नये जमाने के उद्योगों में भी पूरी तरह उतर चुकी है, जिसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स इंजीनियरिंग और सेमीकंडक्टर्स भी शामिल है।

जिस सेमीकंडक्टर्स को लेकर फॉक्सकॉन इतनी चर्चा में आया, वह उसका नया वेंचर है। इसकी शुरूआत दो साल पहले 2021 में हुई थी, तब उसने ताइवान के ही याजियो ग्रुप के साथ एक संयुक्त उद्यम पर हस्ताक्षर किया था। वस्तुत: याजियो समूह ही मुख्य रूप से सेमीकंडक्टर उत्पादन में फॉक्सकॉन को मजबूती दे रहा है। याजियो इस समय चिप रजिस्टर्स में दुनिया में पहले नंबर का कंपनी समूह है। फॉक्सकॉन की सेमीकंडक्टर या अन्य इलेक्ट्रानिक किट मार्केट में आने की वजह खुद की जरूरत है। कंप्यूटर से लेकर इलेक्ट्रिक वाहनों में उतर चुकी यह कंपनी सेमीकंडक्टर के मामले में आत्मनिर्भर होना चाहती है। इतने सारे इलेक्ट्रानिक और इलेक्ट्रिक धंधों में उतर चुकी फॉक्सकॉन का भारत को नजरंदाज करना मुश्किल है। अब वेदांता समूह के साथ इसका करार खत्म होने के लिए खुशी मना रहे हर पक्ष के अपने अपने कारण है। भारत में कांग्रेस को इस बात के लिए खुशी है कि इस बहाने नरेंद्र मोदी को कठघरे में खड़ा कर सकते हैं। शिव सेना (उद्धव) इसलिए खुश है कि फॉक्सकॉन महाराष्ट्र में नहीं आई तो गुजरात में भी नहीं जाएगी। पहले फॉक्सकॉन और वेदांता की परियोजना महाराष्ट्र में लगाने की घोषणा की गई थी, बाद में इसे गुजरात शिफ्ट कर दिया गया था। चीन इसलिए खुश है कि भारत की क्षमता पर सवाल खड़ा होने से दुनिया के अन्य बड़े कॉर्पोरेशन के मन में दुविधा पैदा कर सकता है। चीन खुद ही सेमीकंडक्टर चिप को लेकर बड़े और प्रमुख देशों का बॉयकाट झेल रहा है।

राजनीति का विस्तार और विस्तार की राजनीति

विजय विद्रोही

तो क्या 18 जुलाई की शाम को 2024 के लोकसभा चुनाव की तस्वीर सामने आ जाएगी? देश को पता चल जाएगा कि एनडीए के साथ कौन-कौन है और विपक्ष के खेमे में कौन-कौन है? बंगलूरू में विपक्ष की बैठक 17-18 जुलाई को होनी है और भाजपा ने भी बहुत साल बाद एनडीए की बैठक 18 जुलाई को बुलाई है। कहा जा रहा है कि भाजपा को एनडीए की याद इसलिए आ रही है, क्योंकि विपक्ष एक होने की संभावना पर काम कर रहा है। उधर विपक्ष की मजबूरी है कि एक नहीं हुए, तो एक-एक करके खत्म हो जाएंगे। कुल मिलाकर यह राजनीति का विस्तार है और विस्तार की राजनीति है। पहले बात विपक्ष की। पटना के बाद यह विपक्ष की दूसरी कोशिश होगी। क्या बंगलूरू में विपक्ष के गठबंधन को कोई नाम मिलेगा और वह अपना संयोजक चुनने में सफल रहेगा? विपक्ष को नारा और नीति पर भी काम करना होगा। आखिर मोदी ब्रांड के खिलाफ यह नारा नहीं चल सकता कि %मोदी हटाओ, देश बचाओ% या %मोदी को हराना है, सत्ता से हटाना है%। गठबंधन को नारा इस विमर्श के आसपास बुनना होगा कि विपक्ष सत्ता में आया तो क्या करेगा। रोजगार, महंगाई जैसे मुद्दों का इलाज किस रूप में करेगा? उसे एक गेम चेंजिंग आइडिया की जरूरत तो होगी। क्या यह संघवाद हो सकता है, यानी अगर गठबंधन सत्ता में आया, तो राज्यों को अधिक अधिकार देगा। यह आइडिया कांग्रेस को नापसंद करने वाले ओडिशा के नवीन पटनायक, आंध्र प्रदेश के जगन मोहन रेड्डी और तेलंगाना के केसीआर को भा सकता है। एक अन्य आइडिया न्याय योजना का है। राहुल गांधी ने पिछले लोकसभा चुनाव से पहले घोषणा की थी कि यूपीए सत्ता में आई, तो देश की सबसे गरीब बीस फीसदी जनता को छह हजार रुपये महीने यानी 72 हजार रुपये सालाना दिए जाएंगे। तब यह आइडिया किसी के गले नहीं उतरा। तीसरा आइडिया राइट टू हेल्थ है। अभी मोदी सरकार आयुष्मान योजना चला रही है, जिसमें करीब दस करोड़ परिवारों को लाभ मिल रहा है। क्या विपक्ष 140 करोड़ लोगों को इसके दायरे में लाकर अपनी राजनीति का विस्तार करने की संभावना तलाश सकता है? चौथा, सामाजिक सुरक्षा कानून है। सामाजिक सुरक्षा कानून के तहत देश का हर जरूरतमंद वोटर आ जाएगा। यह लाभार्थी वोट बैंक में विस्तार करने की राजनीति होगी। उधर एनडीए की बात करें, तो नौ साल बाद ऐसी कोई बैठक होगी। प्रधानमंत्री मोदी को किसी नए गेम चेंजर आइडिया की जरूरत नहीं है। उन्हें सिर्फ कुनबे का विस्तार करने की जरूरत है। इसके लिए काम शुरू भी हो गया है। जहां-जहां विरोधियों का महागठबंधन है, वहां-वहां सियासी बुलडोजर चल रहा है। महाराष्ट्र में शिवसेना के बाद एनसीपी इसकी की हद में आई है। कांग्रेस में रहे सुनील जाखड़ को भाजपा ने पंजाब और मनमोहन सिंह सरकार में मंत्री रही एनटीआर की बेटी पुरंदेश्वरी देवी को आंध्र प्रदेश की कमान सौंप कर विस्तार की राजनीति का ट्रेलर दिखाया है। जीतन राम मांझी भी एनडीए में आ गए हैं। अकाली दल से बात चल रही है। ओम प्रकाश राजभर से लेकर वीआईपी पार्टी के मुकेश साहनी से बात अंतिम दौर में है।

भारत-फ्रांस के गहरे होते रिश्ते

ललित गर्ग

भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विदेश यात्राएं नये भारत-सशक्त भारत की इबारत लिखने के अमिट आलेख हैं। उनके नेतृत्व में उभरता नया भारत विकसित एवं विकासशील देशों के बीच सेतु बन रहा है। हाल ही में अमेरीका एवं मिस्र की ऐतिहासिक एवं सफल यात्राओं के बाद मोदी फ्रांस की दो दिवसीय यात्रा पर हैं। इस वर्ष भारत और फ्रांस के बीच राजनीतिक साझेदारी के 25 वर्ष पूरे होने जा रहे हैं और मोदी का यह फ्रांस दौरा काफी अहम है। पिछले 25 वर्षों में दोनों देशों के बीच कई द्विपक्षीय समझौते हुए हैं लेकिन इस बार होने वाले समझौतों से दोस्ती का नया दौर शुरू होगा। भारत की विदेशों में बढ़ती साख को इस यात्रा से एक नई ऊंचाई मिलेगी। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने भारतीय प्रधानमंत्री मोदी को फ्रांस के सर्वोच्च सम्मान ग्रैंड क्रॉस ऑफ द लीजन ऑफ ऑनर से सम्मानित किया। मोदी बैस्टिल दिवस परेड में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए, जिसमें फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, फ्रांस की प्रथम महिला ब्रिजेट मैक्रों और अन्य अतिथिगण भी थे। इस परेड के लिए भारतीय नौसेना के जवान भी पहुंचे हैं। फ्रांस की इस यात्रा के दौरान होने वाले विभिन्न समझौते भारत की रक्षा, प्रौद्योगिकी, तकनीकी एवं सामरिक जरूरतों को पूरा करने में अहम कदम साबित होंगे। व्यापार व उद्योग के साथ-साथ प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में फ्रांस के साथ द्विपक्षीय सहयोग से नई उम्मीदें जागेंगी। इस यात्रा के दौरान किये गये प्रधानमंत्री के प्रयास मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भरता, नये भारत-सशक्त भारत एवं सतत विकास की प्राप्ति में सहायक सिद्ध होंगे।

फ्रांस एक ऐसा देश है जो हमेशा भारत के साथ खड़ा रहा है। भारतीय सेना को मजबूत करने की बात हो या फिर परमाणु परीक्षण का दौर, वह भारत के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा दिखाई देता रहा है। वर्ष 1998 में जब भारत ने पोखरण में परमाणु परीक्षण से पूरी दुनिया को चौंका दिया था और उस समय डरी एवं सहमी शक्तियों ने भारत पर प्रतिबंध लगा दिए थे तब फ्रांस के तत्कालीन राष्ट्रपति जैक शिराक ने भारत का साथ दिया और कहा था कि हमें एशिया की उभरती हुई महाशक्ति को नजरंदाज नहीं करना चाहिए। आज भी एक मित्र की भांति फ्रांस भारत के साथ खड़ा है। फ्रांस के द्वारा भारत को इतना सम्मान एवं महत्व देने के पीछे कई कारण हैं। इनमें भारत की बड़ी होती अर्थव्यवस्था और बड़ा बाजार प्रमुख है। भारत की शांति एवं सद्भाव की नीति है।

दुनिया की महाशक्तियों से संतुलन बनाने में भारत उसका मुख्य आधार है। भले ही भारत फ्रांस से सैन्य सामग्री खरीदने वाला प्रमुख देश है। इन दिनों रूस और चीन काफी नजदीक आये हैं। रूस के नए विकल्प के तौर पर फ्रांस से बेहतर कोई और देश नहीं हो सकता है जो रक्षा सहयोग तो करता ही है साथ ही तकनीक में भी सहयोग कर रहा है। भारत के लिये रूस की जो जगह है, वह स्थान फ्रांस को देने के लिये भारत को सोचना चाहिए, भारत ऐसा ही सोचेगा यह फ्रांस को अहसास है। यह अहसास भी दोनों देशों की मित्रता को प्रगाढ़ करने का बड़ा आधार है। यही कारण है कि फ्रांस और भारत के संबंधों को कई पहलुओं और कई नजरियों से आंका जा रहा है, उसका विश्लेषण किया जा रहा है। इतिहास में देखें तो दोनों देशों का आपस में जो तालमेल है, वो दो सभ्यताओं का हो सकता है, दो विचारधाराओं एवं संस्कृतियों का हो सकता है।

भारत भी ऐसे देश से दोस्ती बढ़ाना चाहेगा, जो उसके विकास एवं मजबूती का आधार हो। फ्रांस भारत की शांति का पक्षधर रहा है, इसलिये विश्वस्तर पर भारत में पड़ोसी देश द्वारा पल्लवित आतंकवादी घटनाओं का विरोध करता रहा है। अब तो यह भी लगने लगा है कि फ्रांस ने पश्चिमी दुनिया में भारत के विश्वस्त दोस्त और सहयोगी साझेदार के रूप में रूस की जगह ले ली है। भारत ने फ्रांस का तब से विशेष सम्मान करना शुरू कर दिया है, जब फ्रांस ने संयुक्त राष्ट्र में चीन द्वारा कश्मीर पर बुलाई गई बैठक में भारत के रुख का समर्थन किया था। फ्रांसीसियों ने पहले भी वैश्विक आतंकवादी मसूद अजहर पर संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव का समर्थन किया था। पुलवामा हमले के बाद भारत ने कूटनीति के मोर्चे पर पाकिस्तान एवं चीन को पूरी तरह से अलग-थलग कर दिया था। इसी के कारण पुलवामा हमले की जिम्मेदारी लेने वाले आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के चीफ मसूद अजहर पर प्रतिबंध लगाने के लिए संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद में अमेरिका, फ्रांस और ब्रिटेन ने प्रस्ताव पेश किया था।

फ्रांस न केवल भारत में आतंकवाद को समाप्त करने में सहयोगी बन रहा है, बल्कि भारत को एक शक्तिसम्पन्न देश बनाने में भी हरसंभव सहयोग कर रहा है। फ्रांस से हमारी सैन्य शक्ति मजबूत हुई है, वहां से हमें लड़ाकू विमान से लेकर पनडुब्बी तक मिल रही है। मोदी की इस यात्रा के दौरान दोनों देश महत्वपूर्ण रक्षा और व्यापारिक समझौते पर मुहर लगायेंगे। भारतीय नौसेना के लिए फ्रांस के साथ 26 राफेल एम मरीन लड़ाकू विमानों का सौदा होने की उम्मीद है। दुनिया की एक बड़ी ताकत बनते भारत को फ्रांस की मित्रता से अनेक लाभ हैं। भले ही रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में पिछले कुछ सालों में भारत ने दूरगामी प्रभाव वाले कदम उठाए हैं, जिसकी बदौलत हमारे रक्षा आयात में कुछ कमी जरूर आई है। इसके बावजूद भी ये सच्चाई है कि रक्षा जरूरतों को पूरा करने में बाहरी मुल्कों और विशेषत: फ्रांस पर निर्भरता को पूरी तरह से खत्म करने में भारत को अभी लंबा सफर तय करना पड़ेगा। यह बात फ्रांस भलीभांति जानता है। इसीलिये भारत के इस रक्षा बाजार पर अमेरिका के साथ ही फ्रांस की भी नजर है।

प्रधानमंत्री मोदी की यह फ्रांस यात्रा दुनिया की गैर-जिम्मेदार बड़ी शक्तियों की दादागिरी को समाप्त करने की दिशा में मिल का पत्थर साबित होगी। भारत दुनिया में ऐसे राष्ट्रों को संगठित करना चाहता है जो युद्ध विरोधी हों। इसी उद्देश्य से भारत, फ्रांस और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने 8 जून को ओमान की खाड़ी में अपना पहला त्रिपक्षीय समुद्री अभ्यास सफलतापूर्वक संपन्न किया। इसमें आईएनएस तरकश, फ्रांसीसी जहाज सुरकौफ, फ्रेंच राफेल विमान और यूएई नौसेना समुद्री गश्ती विमान की भागीदारी थी। इस अभ्यास में सतही युद्ध जैसे नौसेना संचालन का एक व्यापक स्पेक्ट्रम देखा गया था, जिसमें सतह के लक्ष्यों पर मिसाइल से सामरिक गोलीबारी और अभ्यास, हेलीकोप्टर क्रॉस डेक लैंडिंग संचालन, उन्नत वायु रक्षा अभ्यास और बोर्डिंग संचालन शामिल थे। युद्ध चाहने वाले देशों के लिये अपनी सोच बदलने को विवश करना ऐसे संगठनों एवं सांझें प्रयत्नों से ही संभव होगा। मोदी की यात्रा से ठीक पहले इस तरह के अभ्यास का उद्देश्य तीनों नौसेनाओं के बीच त्रिपक्षीय सहयोग को बढ़ाना और समुद्री वातावरण में पारंपरिक और गैर-पारंपरिक खतरों को दूर करने के उपायों को अपनाने का मार्ग प्रशस्त करना था।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के फ्रांस दौरे पर दुनिया की नजरें लगी हुई हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि फ्रांस संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का प्रभावशाली सदस्य है और उसने अमेरिका की तरह भारत से कभी भी विशुद्ध सौदेबाजी नहीं की। चीन की बढ़ती आक्रामकता एवं विस्तारवादी सोच को रोकने के लिए अमेरीका एवं फ्रांस दोनों देश भारत के बहुत करीब आए है। दोनों देशों के भारत प्रशांत क्षेत्र में साझा हित और सौर ऊर्जा तकनीक के प्रसार की संभावनाएं हैं। युद्ध, हिंसा, साम्प्रदायिक उन्माद एवं आतंकवाद को पोषित करने वाले चीन एवं पाकिस्तान को सबक सिखाना दुनिया की सबसे बड़ी जरूरत हो गयी।

ऐसा करना इसलिए आवश्यक हो गया है क्योंकि पाकिस्तान जहां आतंकवाद को सहयोग-समर्थन और संरक्षण देने से बाज नहीं आ रहा है, वहीं चीन अपनी विस्तारवादी नीतियों के चलते एशिया ही नहीं, पूरे विश्व के लिए खतरा बन गया है। मानकर चलिए कि मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों के बीच होने वाली वार्ताओं से व्यापार और अर्थशास्त्र से लेकर ऊर्जा सुरक्षा, आतंकवाद विरोधी, रक्षा और सुरक्षा सहयोग और भारत-प्रशांत में सहयोग जैसे मुद्दों पर ऐसा सकारात्मक वातावरण बनेगा, जिससे समूची दुनिया शांति, सहयोग, सह-जीवन एवं आतंकवाद मुक्ति का अहसास कर सकेगी। विशेषत: आतंकवाद मुक्त विश्व की संरचना दोनों देशों की प्राथमिकता है।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

त्रिशिखिब्राह्मणोपनिषद् (भाग-8)

गतांक से आगे...

पूर्व में कहे हुए ज्ञान (विधि) से नाड़ियों का शोधन कर लेना चाहिए। तदनन्तर सभी तरह के सम्बन्धों का परित्याग करके, एकान्त स्थल में स्थित होकर योगाङ्ग के साधन में सम्पूर्ण सामग्री एकत्र करके दर्भ कुश अथवा काले हिरण आदि का आसन बना करके, जब तक दोनों ओर के अंग समान न हो जाएँ, तब तक आसन साधन करते रहना चाहिए। इसके लिए आसन स्थल में बैठकर यथारुचि स्वस्तिक आदि किसी भी आसन का अभ्यास करते रहना चाहिए।

सर्वप्रथम आसन लगाकर शरीर को सीधा करके बैठे। नासिका के अग्रभाग पर दृष्टि रखे रहे, दाँतों को दाँतों द्वारा स्पर्श न करते हुए, जिह्वा को तालु में लगाकर स्वस्थ चित्त एवं निरामय भाव से सिर को आकुंचित (थोड़ा झुकाकर) करते हुए योग मुद्रा में हाथों को आबद्ध करके प्राणायाम का अभ्यास करना चाहिए। रेचक, पूरकर और कुंभक) के द्वारा वायु का शोधन करते हुए (पुन:) रेचन की क्रिया सम्पन्न करनी चाहिए। इस प्रकार इन चार विधियों के द्वारा वायु को गतिशील करने की क्रिया को प्राणायाम कहते हैं। दाहिने हाथ के द्वारा नासिका पुट को दबाकर पिंगला (दायीं नासिका) से वायु का बहिर्गमन करे। तदनन्तर सोलह मात्रा से इड़ा (बायीं नासिका) द्वारा वायु को अन्दर की ओर खींचे तथा चौंसठ मात्रा से कुम्भक करे और बत्तीस मात्रा से उस वायु को पिंगला (दायीं नासिका) के द्वारा बहिर्गमन कर देना चाहिए।

इस प्रकार बार-बार क्रम एवं विपरीत क्रम से सर्वदा अभ्यास करता रहे और शरीर के अन्दर भरी हुई वायु को कुम्भ (घड़े) की भाँति स्थिर करके रोके रहे। हे ब्रह्मन् ! इस क्रिया से समस्त नाड़ियाँ वायु से परिपूर्ण हो जाती हैं। उन नाड़ियों में दसों वायुएँ (प्राणधारायें) सम्यरूप से चलने लगती हैं।

तदनन्तर हृदय रूपी कमल विकसित होकर स्वच्छ स्पष्ट हो जाता है तथा उस स्थान पर परमात्म स्वरूप, निष्पाप वासुदेव के दर्शन स्पष्ट रूप से होने लगते हैं। इस अभ्यास से प्रात: काल, मध्याह्न काल, सायंकाल तथा अर्द्धरात्रि को चार बार कुम्भक करना चाहिए और क्रमश: उसे अस्सी (80) मात्रा तक धीरे-धीरे बढ़ा देना चाहिए। इस उपर्युक्त विधि से एक दिन के अभ्यास करने मात्र से ही सभी तरह के पापों का शमन हो जाता है।

क्रमश: ...

प्रो. बाल आपटे

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के संगठन में रीढ़ की भूमिका निभाने वाले बलवंत परशुराम (बाल) आपटे का जन्म 18 जनवरी, 1939 को पुणे के पास क्रांतिवीर राजगुरु के जन्म से धन्य होने वाले राजगुरुनगर में हुआ था। उनके पिता श्री परशुराम आपटे एक स्वाधीनता सेनानी तथा समाजसेवी थे।

1960 के दशक में विद्यार्थी परिषद से जुड़ने के बाद लगभग 40 वर्ष तक उन्होंने यशवंतराव केलकर के साथ परिषद को दृढ़ संगठनात्मक और वैचारिक आधार दिया। विद्यार्थी परिषद ने न केवल अपने, अपितु संघ परिवार की कई बड़ी संस्थाओं तथा संगठनों के लिए भी कार्यकर्ता तैयार किये हैं। इसमें आपटे जी की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है।आज मेरे जैसे लाखों कार्यकर्ताओं की व्यक्तिगत रूप से चिंता करते हुये उनके सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई । 1974 में विद्यार्थी परिषद के रजत जयंती वर्ष में वे राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने गये। इस समय महंगाई और भ्रष्टाचार के विरुद्ध देश में युवा शक्ति सड़कों पर उतर रही थी। इस आंदोलन को विद्यार्थी परिषद ने राष्ट्रव्यापी बनाया। जयप्रकाश नारायण द्वारा इस आंदोलन का नेतृत्व स्वीकार करने से यह आंदोलन और अधिक शक्तिशाली हो गया।

इससे बौखलाकर इंदिरा गांधी ने देश में

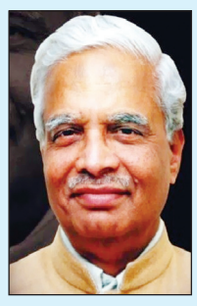

आपातकाल लगा दिया। आपटे जी भूमिगत होकर आंदोलन का संचालन करने लगे। दिसम्बर 1975 में वे पकड़े गये और मीसा नामक काले कानून के अन्तर्गत नासिक सेंट्रल जेल में ठूंस दिये गये, जहां से फिर 1977 में चुनाव की घोषणा के बाद ही वे बाहर आये। जेल जीवन के कारण उनकी नौकरी छूट गयी। अत: वे वकालत करने लगे। अगले 20 साल तक वे गृहस्थ जीवन, वकालत और विद्यार्थी परिषद के काम में संतुलन बनाकर चलते रहे।

उन्होंने संगठन के बारे में केवल भाषण नहीं दिये बल्कि वे इसके जीवंत स्वरूप थे। उनकी एक मात्र पुत्री चिकित्सा शास्त्र की पढ़ाई पूरी कर दो वर्ष विद्यार्थी परिषद की पूर्णकालिक रही। फिर उसका अन्तरजातीय विवाह परिषद के एक कार्यकर्ता से ही हुआ। उनकी पत्नी श्रीमती उर्मिला आपटे भारतीय स्त्री शक्ति संगठन की संस्थापक अध्यक्ष रहीं। आज महिला विषयों पर दलगत राजनीति से ऊपर उठकर महिलाओं के लिए कार्य कर देशव्यापी संगठन बन गया है।इस प्रकार विचार, व्यवहार और परिवार, तीनों स्तर पर वे संगठन से एक रूप हुए।

1996 से 1998 तक वे महाराष्ट्र शासन के अतिरिक्त महाधिवक्ता रहे। वेस्टर्न एडवोकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष रहते हुये मुंबई हाईकोर्ट में चार जजों के भ्रष्टाचार को लेकर आंदोलन कर उन्हें बर्खास्त कराया। जब उन्हें भाजपा में जिम्मेदारी देकर राज्यसभा में भेजने की चर्चा चली, तो उन्होंने पहले संघ के वरिष्ठजनों से बात करने को कहा। इसके बाद वे आठ वर्ष तक भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, संसदीय बोर्ड के सदस्य तथा 12 वर्ष तक महाराष्ट्र से राज्यसभा के सदस्य रहे।भारतीय जनता पार्टी संसदीय बोर्ड में दस वर्षों तक रहते हुये पार्टी संगठन को सही दिशा में ले जाने का कार्य किया । लोग अपना कार्यकाल समाप्त होने के बाद वर्षों तक दिल्ली में मिले भवनों में अवैध रूप से डटे रहते हैं; पर आपटे जी ने कार्यकाल पूरा होने के दूसरे दिन ही मकान छोड़ दिया। नियमित आसन, प्राणायाम, व्यायाम और ध्यान के बल पर आपटे जी का स्वास्थ्य बहुत अच्छा रहता था; पर जीवन के अंतिम एक-दो वर्ष में वे अचानक कई रोगों से एक साथ घिर गये, जिसमें श्वांस रोग प्रमुख था। समुचित इलाज के बाद भी 17 जुलाई, 2012 को उनका मुंबई में ही देहांत हुआ।

चित्त का रंजन कर देने वाले सर्जक

गिरीश पंकज

जी हाँ, मैं सही कह रहा हूँ। कभी आप डॉ. चित्त रंजन कर से मिलें, तो आप मान जाएँगे कि मैंने गलत नहीं कहा था. 16 जुलाई, 1948 को सरायपाली के एक गाँव पैकिन में जन्में बहुभाषा विद डॉ. कर पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में भाषा विज्ञान के प्रोफेसर थे। रीडर पद से सेवानिवृत्त होने के बाद वे बिलासपुर और कोरापुट (ओडिशा) के केंद्रीय विवि में अँग्रेज़ी के प्रोफेसर भी रहे। प्राइमरी स्कूल में शिक्षण कार्य करते हुए आप ने सतत अध्ययन किया और अंतत: विश्विद्यालय के रीडर पद तक की सुदीर्घ यात्रा तय की। भाषा विज्ञान में एमए करके आपने स्वर्ण पदक प्राप्त किया। अँग्रेज़ी में भी एमए किया। भाषा विज्ञान में पी-एच डी और डी लिट् की उपाधि प्राप्त की। यह तो उनका शैक्षणिक परिचय हुआ, लेकिन असली परिचय यह है कि वे एक समर्थ गीतकार, ग़ज़लकार और संगीतज्ञ भी हैं। आपने बाल साहित्य भी खूब लिखा। भाषा संबंधी अनेक पुस्तकों का भी सृजन किया। अट्ठाइस छात्रों को अपने मार्गदर्शन में पी-एच.डी कराई। भाषा विज्ञान,हिंदी और अँग्रेज़ी विषय में 240 छात्रों से लघुशोध कार्य करवाए। कुशल संगीत मर्मज्ञ के रूप में आप अपनी रचनाओं को तो गाते ही हैं, मगर पूरी उदारता के साथ अपने समकालीन रचनाकारों की ग़ज़ल और गीतों को भी स्वरबद्ध करते हैं। मैं भी उन सौभाग्यशालियों में रहा हूँ. ऐसा औदार्य बहुत कम लोगों में दृष्टव्य होता है. बेहद सहज-सरल स्वभाव के डॉ कर मूल रूप से उडियाभाषी हैं, लेकिन माँ सरस्वती की असीम कृपा है कि वे अँग्रेज़ी, संस्कृत, हिंदी और छत्तीसगढ़ी में भी समान अधिकार रखते है. इन सभी भाषाओं में उनका लेखन, अनुवाद उनकी बहुआयामी प्रतिभा का प्रमाण है। छत्तीसगढ़ी,हिंदी और अँग्रेज़ी साहित्य पर उनके व्याख्यान सदैव । मननीय होते हैं.

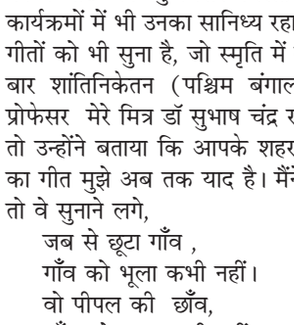

पिछले तीन-चार दशकों से एक रचनाकार और सहज-सरल मनुष्य के रूप में डॉ कर को देखता रहा हूँ. इनके साथ छत्तीसगढ़ के अनेक मंचों पर काव्य-पाठ का सुअवसर मिला. अनेक बौद्धिक कार्यक्रमों में भी उनका सानिध्य रहा है। उनके सहज गीतों को भी सुना है, जो स्मृति में बस जाते है.एक बार शांतिनिकेतन (पश्चिम बंगाल) के हिंदी के प्रोफेसर मेरे मित्र डॉ सुभाष चंद्र राय दिल्ली में मिले तो उन्होंने बताया कि आपके शहर के प्रोफेसर कर का गीत मुझे अब तक याद है। मैंने पूछा कौन -सा तो वे सुनाने लगे,

जब से छूटा गाँव ,
गाँव को भूला कभी नहीं।
वो पीपल की छाँव,
छाँव को भूला कभी नहीं।

कर जी के गीतों की यही विशेषता है कि वे अविस्मरणीय होते हैं। उनमें कलावादी, रूपवादी तड़का नहीं है। मन की बात बेहद सरल ढंग से कह देते हैं। वे भाषाविद हैं, लेकिन अपने गीतों में अनावश्यक चमत्कार नहीं दिखाते। उनके गीत प्रवहमान जलधारा की तरह प्रवाहित होते हैं और हृदय-कुंड में आकर बस जाते हैं। इस गीत की निश्छलता आपको भी प्रभावित करेगी। देखें,

फूल कहो तो खिल जाता है,
कितना कोमल मन है.
सुखमय मीठे गीत सुनता,
कितना कोयल-मन है।

ऐसे ही अनेक सुंदर गीतों का कर जी कर्णप्रिय गायन भी करते हैं। हिंदी ही नहीं, छत्तीसगढ़ी में भी उनका काव्य लेखन अद्भुत है. रंजक है. वहाँ भी भाषा का लालित्य देखते बनता है। उनका एक गीत है गाड़ीवाला , अपनी कविता में आप गाड़ी का जीवंत चित्र उकेर देते है-

घुंच-घुंच गा गाड़ीवाला, मोटरकार आत हे,
एती-ओती झन देख तें, इही डाहार आत हे.
तोर बइला मन के दिल दिमाग हे
कार बपरी के अइसन कहां भाग हे
ओला नइ पिराय कभु जस तोला पिराथे।

इस रचना में एक कवि विषमता की बात भी कर रहा है, गाड़ी खींचने वाले बैल की भी चिंता कर रहा है। किसी भी रचनाकार के भीतर की संवेदना ही उसे बड़ा बनाती है। कर जी के गीतों की यही करुणा मानवता, बोधगम्यता पाठकों और श्रोताओं को प्रभावित करती है।

कर जी एक ओर बोलचाल की छत्तीसगढ़ी, छत्तीसगढ़ की व्याकरणिक कोटियाँ, छत्तीसगढ़ मुहावरा कोश, छत्तीसगढ़ी भाषा का स्वरूप और सम्भावनाएँ जैसी पुस्तकों का सृजन करते हैं, तो दूसरी तरफ संस्कृत वाक्य विन्यास के कुछ प्रकरण, प्रायोगिक हिंदी, हिंदी परिसर्ग, प्रारम्भिक शैली विज्ञान, और प्रयोजनमूलक हिंदी जैसी पुस्तक भी लिखते हैं। अँग्रेज़ी में भी उनकी चर्चित पुस्तकें हैं, जैसे लेटअस लर्न इंग्लिश, लिंग्विस्टिक्स एंड लिटरेचर और सिमेंटिक्स ऑफ पोएटिक लेंगुएज आदि. हिंदी, अँग्रेज़ी में उनके शोधपत्रों की संख्या लगभग साठ है. उन्होंने पंडित सुंदरलाल शर्मा की चर्चित छत्तीसगढी पुस्तक दानलीला का हिंदी में पद्यानुवाद भी किया। उड़िया के महाकवि गंगाधर मेहेर विरचित महाकाव्य प्रणय वल्लरी का छंदबद्ध अनुवाद भी किया हैं। मेहेर जी ने मिथकीय पात्रों को आधार बना कर उड़िया में अनेक महाकाव्य रचे, इनमें से एक है प्रणय वल्लरी, जो कालिदास की कालजयी कृति अभिज्ञान शाकुंतलम से प्रेरित है। कर जी ने प्रणय वल्लरी का हिंदी में अति सुंदर अनुवाद किया, जिसे पढ़ कर लगता ही नहीं कि यह अनुवाद है. प्रतीत होता है कि डॉ. कर ने ही इसकी रचना की है। इसके कुछ अंशों का प्रकाशन मैने अपनी अनुवाद पत्रिका सद्भावना दर्पण में भी प्रकाशित किया था। इनके अनुवाद इतने सफल होते हैं कि अनुवाद अनुवाद ही नहीं लगते, वरन अनुरचना अथवा अनुसृजन का आस्वाद प्रदान करते हैं। प्रणय वल्लरी का ही एक अंश देखें, तो आप इसे आसानी से समझ सकेंगे-

जय वेदव्यास, जय कालिदास ,
जय जय सरस्वती-प्रिय नंदन,
तुम ज्ञानी गुरुद्वय कवि-समाज के,
हो ललाट-शोभित चंदन।

डॉ. कर ने हनुमान जी की स्तुति में एक खंड काव्य की रचना भी की संकटमोचन. कुछ कवियों की रचनाओं पर विस्तार से समालोचना भी की. इनका काव्य संग्रह चलो अब अपने घर और गीतों का संग्रह हँसता हुआ सवेरा आया% इनके सफल कवि-गीतकार की बानगी प्रस्तुत करता है। साहित्येतर लेखन में इनकी एक चर्चित कृति है, व्यक्तित्व निर्माण में भाषा की भूमिका। करजी की साहित्यिक प्रतिभा को देखते हुए वर्षों पहले प्रख्यात भाषाविद और व्यंग्यकार डॉ रमेशचंद्र महरोत्रा ने अपने व्यंग्य-निबंधों का संग्रह टेढ़ी बात का सम्पादन डॉ. कर से करवाया था।

सार संक्षेप में कहूँ तो डॉ. कर का साहित्यिक और संबंधी प्रदेय हम सबकी धरोहर है। अब वे पचहत्तर वर्ष के हो चुके हैं, यह उनका अमृतकाल है। अमृत महोत्सव भी मनाया जाएगा। मगर आज भी उनकी शारीरिक-बौध्दिक चपलता किसी युवा से कम नहीं है। आप छत्तीसगढ़ की धरोहर हैं। आप इसी तरह स्वस्थ रहें और साहित्य,भाषा और संगीत की त्रिवेणी प्रवाहित करते रहें।

बापू की दिनचर्या

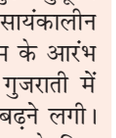

प्रवचन और हरिजन सेवा

सन् 1926 में साबरमती आश्रम में शाम की प्रार्थना के अनंतर बापू आश्रमवासियों को अपनी मातृभाषा गुजराती के माध्यम से नित्य रामचरितमानस पढ़ाते। दोपहर के विश्राम के बाद वे मानस का अध्ययन करते। उस दिन शाम को पढ़ाई जानेवाली पंक्तियों को वे अच्छी तरह पढ़ लिया करते। बाद में प्रार्थना के पश्चात् कुछ-न-कुछ सदुपदेश देने, आश्रम की व्यक्तिगत अथवा राष्ट्रीय समस्याओं पर प्रवचन करने, आध्यात्मिक विषयों पर बोलने तथा देश-विदेश के मानव-समूह को लक्ष्य कर उचित मार्ग-दर्शन करने का उनका क्रम आरंभ हुआ। यह विशेष रूप से सन् 1944 में आगा खाँ जेल से छूटने पर शुरू हुआ। जीवन-दीप बुझने के एक दिन पूर्व तक यह सिलसिला जारी था। साबरमती में सायंकालीन प्रार्थना में बाहर के अत्यधिक लोग सम्मिलित होते । वहाँ बापू के प्रात: कालीन प्रवचन गंभीर एवं अंतर्मुख और सायंकालीन प्रवचन आश्रम एवं राष्ट्र की रचनात्मक प्रवृत्ति से संबंधित हुआ करते। यात्रानुभव एवं आगामी कार्यक्रमों की चर्चा भी प्राय: प्रवचनों का विषय होता। आश्रम के सभी लोगों से सामूहिक रूप से वार्तालाप करने का वही एक अवसर उनको मिलता। वे उस समय अधिकांश व्यावहारिक चर्चा करते। यदा-कदा उस समय बापू विद्यार्थियों को बहुमूल्य सीख दिया करते। उनके लिए सभी बातों का समान महत्त्व था। सेवाग्राम में सायंकालीन प्रार्थना सभा सार्वजनिक मानी जाती। बापू सामने अकेले बैठते। उनकी बाईं ओर बहनें, दाहिनी ओर भाई लोग और उनके सामने प्रार्थना करानेवाले, रामायण का भावार्थ समझानेवाले खास लोग बैठते। अतिथि अन्य लोगों के साथ ही बैठते। प्रार्थना के बाद बापू किसी महत्त्वपूर्ण घटना या परिस्थिति को अपने प्रवचन का विषय बनाते। आश्रम या सार्वजनिक समस्याओं से संबंधित घोषणा भी वे कभी-कभी उस अवसर पर करते। ऐसी कुछ बहुमूल्य जानकारी प्राप्त करने की उत्सुकतावश उनकी वहाँ की सायंकालीन सभा में भारी समूह उपस्थित होता। साबरमती में आश्रम के आरंभ में गुजरातीभाषियों की संख्या अधिक थी। तब बापू गुजराती में बोलते। बाद में अन्य प्रदेश के लोगों की संख्या वहाँ बढ़ने लगी। उन दिनों जमनालालजी बजाज भी आश्रम में आने लगे। उनके लिए न केवल मारवाड़ी और हिंदी, अपितु गुजराती और मराठी भाषाएँ समान थीं।

क्रमश: ...

छत्तीसगढ़ में वंशधर के रूप में पूजे जाते हैं शिव

प्रो. अश्विनी केशरवानी

प्राचीन छत्रीसगढ़ पर दृष्टिपात करें तो हमें इस क्षेत्र में जहां वैष्णव मंदिर, देवी मंदिर जहां बहुतायत में मिलते हैं, वहीं शैव मंदिर अपनी गौरव गाथा कहते नहीं अघाते। छत्रीसगढ़ प्राचीन काल से आज तक अनेक धार्मिक आयोजनों का समन्वय स्थल रहा है। नदी-नाले का किनारा हो या तालाब का पार, शिव मंदिर छोटे रूप में हों, अवश्य देखने को मिलता है। प्राचीन काल से ही यहां शैव परम्परा बहुत समृद्ध थी। कलचुरि राजाओं ने विभिन्न स्थानों में शिव मंदिर का निर्माण कराया जिनमें चंद्रचूड़ महादेव (शिवरीनारायण), बुद्धेश्वर महादेव (रतनपुर), पातालेश्वर महादेव (अमरकंटक), पलारी, पुजारीपाली, गंडई-पंडरिया के शिव मंदिर प्रमुख हैं। इसके समकालीन कुछ शिव मंदिर और बने जिनमें पीथमपुर का कालेश्वरनाथ, शिवरीनारायण में महेश्वरनाथ प्रमुख हैं।

छत्तीसगढ़ के अधिकांश शिव मंदिर सृजन और कल्याण के प्रतीक स्वरूप निर्मित हुए हैं। लिंग रहस्य और लिंगोपासना के बारे में स्कंद पुराण में वर्णन मिलता है, उसके अनुसार भगवान महेश्वर अलिंग हैं, प्रकृति प्रधान लिंग है -

आकाशं लिंगमित्याहु पृथिवी तस्य पीठिका।
आलय: सर्व देवानां लयनाल्लिंग मुच्यते।।

अर्थात् आकाश लिंग और पृथ्वी उसकी पीठिका है। सब देवताओं का आलय में लय होता है, इसीलिये इसे लिंग कहते हैं। हिन्दू धर्म में शिव का स्वरूप अत्यंत उदात्त रहा है। पल में रूष्ट और पल में प्रसन्न होने वाले और मनोवांछित वर देने वाले औघड़दानी महादेव ही हैं।

वंश परम्परा को जीवित रखने के लिए क्या कुछ नहीं करना पड़ता? राजा हो या रंक, सभी वंश वृद्धि के लिए मनौती मानने, तीर्थयात्रा और पूजा-यज्ञादि करने का उल्लेख तात्कालीन साहित्य में मिलता हैं। देव संयोग से उनकी मनौतियां पूरी होती रहीं और देवी-देवताओं के मंदिर इन्ही मनौतियों की पूर्णता पर बनाये जाते रहे हैं, जो कालान्तर में उनके ''कुलदेव'' के रूप में पूजित होते हैं। छत्तीसगढ़ में औघड़दानी महादेव को वंशधर के रूप में पूजा जाता है। खरौद के लक्ष्मणेश्वर महादेव को वंशधर के रूप में पूजा जाता है। यहां लखेसर चढ़ाया जाता है। हसदो नदी के तट पर प्रतिष्ठित कालेश्वरनाथ महादेव वंशवृद्धि के लिए सुविख्यात् है। इसी प्रकार माखन साव के वंश को महेश्वर महादेव ने बढ़ाया। इन्ही के पुण्य प्रताप से बिलाईगढ़-कटगी के जमींदार की वंशबेल बढ़ी और जमींदार श्री प्रानसिंह बहादुर ने नवापारा गांव माघ सुदी 01 संवत् 1894 में महेश्वर महादेव के भोग-रागादि के लिए चढ़ाकर पुण्य कार्य किया। भगवान शिव अक्षर, अव्यक्त, असीम, अनंत और परात्पर ब्रह्म हैं। उनका देव स्वरूप सबके लिए वंदनीय है। शिवपुराण के अनुसार सभी प्राणियों के कल्याण के लिए भगवान शंकर लिंग रूप में विभिन्न नगरों में निवास करते हैं। उपासकों की भावना के अनुसार भगवान शंकर विभिन्न रूपों में दर्शन देते हैं। वे कहीं ज्योतिर्लिंग रूप में, कहीं नंदीश्वर, कहीं नटराज, कहीं अर्द्धनारीश्वर, कहीं अष्टतत्वात्मक, कहीं गौरीशंकर, कहीं पंचमुखी महादेव, कहीं दक्षिणामूर्ति तो कहीं पार्थिव रूप में प्रतिष्ठित होकर पूजित होते हैं। शिवपुराण में द्वादश ज्योतिर्लिंग के स्थान निर्देश के साथ-साथ कहा गया है कि जो इन 12 नामों का प्रात:काल उच्चारण करेगा उसके सात जन्मों के पाप धुल जाते हैं। लिंग रहस्य और लिंगोपासना के बारे में स्कंदपुराण में वर्णन है कि भगवान महेश्वरनाथ अलिंग हैं, प्रकृति ही प्रधान लिंग है। महेश्वर निर्गुण हैं, प्रकृति सगुण है। प्रकृति या लिंग के ही विकास और विस्तार से ही विश्व की सृष्टि होती है। अखिल ब्रह्मांड लिंग के ही अनुरूप बनता है। सारी सृष्टि लिंग के ही अंतर्गत है, लिंगमय है और अंत में लिंग में ही सारी सृष्टि का लय भी हो जाता है। ईशान, तत्पुरूष, अघोर, वामदेव और सद्योजात ये पांच शिव जी की विशिष्ट मूर्तियां हैं। इन्हें ही इनका पांच मुख कहा जाता है। शिवपुराण के अनुसार शिव की प्रथम मूर्ति क्रीडा, दूसरी तपस्या, तीसरी लोकसंहार, चौथी अहंकार और पांचवीं ज्ञान प्रधान होती है। छत्रीसगढ़ में शिव जी के प्राय: सभी रूपों के दर्शन होते हैं। आइये इन्हें जानें:-

लक्ष्मणेश्वर महादेव

जांजगीर-चांपा जिलान्तर्गत जिला मुख्यालय जांजगीर से 60 कि. मी., बिलासपुर से 64 कि. मी., कोरबा से 110 कि. मी., रायगढ़ से 106 कि. मी. और राजधानी रायपुर से 125 कि. मी. व्हाया बलौदाबाजार, और छत्रीसगढ़ का सांस्कृतिक तीर्थ शिवरीनारयण से दो-ढाई कि. मी. की दूरी पर स्थित खरौद शिवाकांक्षी होने के कारण ''छत्रीसगढ़ की काशी'' कहलाता है। यहां के प्रमुख आराध्य देव लक्ष्मणेश्वर महादेव हैं जो उन्नत किस्म के ''लक्ष्य लिंग'' के पार्थिव रूप में पश्चिम दिशा में पूर्वाभिमुख स्थित हैं। मंदिर के चारों ओर पत्थर की मजबूत दीवार है। इस दीवार के भीतर 110 फीट लंबा और 48 फीट चौड़ा चबुतरा है जिसके उपर 48 फीट ऊंचा और 30 फीट गोलाई लिए भव्य मंदिर स्थित है। मंदिर के गर्भगृह में ''लक्ष्यलिंग'' स्थित है। इसे ''लखेश्वर महादेव'' भी कहा जाता है क्योंकि इसमें एक लाख शिवलिंग है। बीच में एक पातालगामी अक्षय छिद्र है जिसका संबंध मंदिर के बाहर स्थित कुंड से है। शबरीनारायण महात्म्य के अनुसार इस महादेव की स्थापना श्रीराम ने लक्ष्मण की विनती करने पर लंका विजय के निमित्त की थी। इस नगर को ''छत्रीसगढ़ की काशी'' कहा जाता है। इनकी महिमा अवर्णनीय है। सावन और महाशिवरात्री में यहां दर्शनार्थियों की अपार भीढ़ होती है। कवि श्री बटुकसिंह चौहान इसकी महिमा गाते हैं:-

जो जाये स्नान करि, महानदी गंग के तीर।
लखनेश्वर दर्शन करि, कंचन होत शरीर।।
सिंदूरगिरि के बीच में लखनेश्वर भगवान।
दर्शन तिनको जो करे, पावे परम पद धाम।।

मूल मंदिर के प्रवेश द्वार के उभय पार्श्व में कलाकृति से सुसज्जित दो पाषाण स्तम्भ है। इनमें से एक स्तम्भ में रावण द्वारा कैलासोत्तालन तथा अर्द्धनारीश्वर के दृश्य खुदे हैं। इसी प्रकार दूसरे स्तम्भ में राम चरित्र से सम्बंधित दृश्य जैसे राम-सुग्रीव मित्रता, बाली का वध, शिव तांडव और सामान्य जीवन से सम्बंधित एक बालक के साथ स्त्री-पुरूष और दंडधरी पुरूष खुदे हैं। प्रवेश द्वार पर गंगा-यमुना की मूर्ति स्थित है। मुर्तियों में मकर और कच्छप वाहन स्पष्ट दिखाई देता है। उनके पार्श्व में दो नारी प्रतिमा है। इसके नीचे प्रत्येक पार्श्व में द्वारपाल जय और विजय की मुर्ति है। महामहोपाध्याय गोपीनाथ राव द्वारा लिखित ''आक्नोग्राफी ऑफ इंडिया'' तथा आर. आर. मजुमदार की ''प्राचीन भारत'' में इस दृश्य का चित्रण मिलता है। खरौद में छत्तीसगढ़ का अत्यंत प्राचीन शैव

मठ है। इस मठ के महंत निहंग बैरागी लोग थे। इसी प्रकार दूसरा शैव मठ पीथमपुर में था। छत्तीसगढ़ में अनेक राजा महाराजा और मालगुजार बैरागी लोग हुए हैं।

कालेश्वर महादेव

जांजगीर-चांपा जिलान्तर्गत जांजगीर से 10 कि. मी., चांपा से 8 कि. मी. और बिलासपुर से 80 कि. मी. की दूरी पर हसदो नदी के तट पर पीथमपुर स्थित है। यह नगर यहां स्थित ''कालेश्वर महादेव'' के कारण सुविख्यात् है। चांपा के पंडित छविनाथ द्विवेदी ने ''कलिश्वरनाथ महात्म्य स्त्रोत्रम'' संवत् 1987 के लिखा था। उसके अनुसार पीथमपुर के इस शिवलिंग का उद्भव चैत कृष्ण प्रतिपदा संवत् 1940 को हुआ। मंदिर का निर्माण संवत् 1949 में आरंभ हुआ और 1953 में पूरा हुआ। खरियार के राजा वीर विक्रम सिंहदेव ने कालेश्वर महादेव की पूजा अर्चना कर वंश वृद्धि का लाभ प्राप्त किया था। खरियार के युवराज डॉ. जे. पी. सिंहदेव ने मुझे सूचित किया है-''मेरे दादा स्व. राजा वीर विक्रम सिंहदेव ने वास्तव में वंश वृद्धि के लिए पीथमपुर जाकर कालेश्वर महादेव की पूजा और मनौती की थी। उनके आशीर्वाद से दो पुत्र क्रमश: आरतातनदेव, विजयभैरवदेव और दो पुत्री कनक मंजरी देवी और शोभज्ञा मंजरी देवी हुई और हमारा वंश बढ़ गया।'' अनेक दृष्टांत वंश वृद्धि के हैं जो इसकी पुष्टि करते हैं।

चंद्रचूड़ महादेव

जांजगीर-चांपा जिलान्तर्गत जांजगीर से 67 कि. मी., बिलासपुर से 67 कि. मी. की दूरी पर छत्रीसगढ़ की पुण्यतोया नदी महानदी के तट पर शिवरीनारायण स्थित है। जोंक, शिवनाथ और महानदी का त्रिवेणी संगम होने के कारण इसे ''प्रयाग'' की मान्यता है। यहां भगवान नारायण के मंदिर के सामने पश्चिमाभिमुख चंद्रचूड़ महादेव स्थित हैं। मंदिर के द्वार पर एक विशाल नंदी की मूर्ति है। बगल में एक जटाधारी किसी राज पुरूष की मूर्ति है। गर्भगृह में चंद्रचूड़ महादेव और हाथ जोड़े कलचुरि राजा-रानी की प्रतिमा है। मंदिर के बाहर संवत् 919 का एक शिलालेख हैं। इसके अनुसार कुमारपाल नामक कवि ने इस मंदिर का निर्माण कराया और भोजनादि की व्यवस्था के लिए चिचोली नामक गांव दान में दिया। इस शिलालेख में रतनपुर के कलचुरि राजाओं की वंशावली दी गयी है। यहां का माहात्म्य बटुकसिंह चौहान के मुख से सुनिए:-

महानदी गंग के संगम में, जो किन्हे पिंड कर दान।
सो जैहै बैकुंठ को, कही बटुकसिंह चौहान ।।

महेश्वर महादेव

शिवरीनारायण में ही महानदी के तट पर छत्रीसगढ़ के सुप्रसिद्ध मालगुजार श्री माखनसाव के कुलदेव महेश्वर महादेव और कुलदेवी शीतला माता का भव्य मंदिर, बरमबाबा की मूर्ति और सुन्दर घाट है। सुप्रसिद्ध साहित्यकार पंडित मालिकराम भोगहा द्वारा लिखित श्रीशबरीनारायण माहात्म्य के अनुसार इस मंदिर का निर्माण संवत् 1890 में माखन साव के पिता श्री मयाराम साव और चाचा श्री मनसाराम और सरधाराम साव ने कराया है। माखन साव भी धार्मिक, सामाजिक और साधु व्यक्ति थे। महेश्वरनाथ के वरदान से ही माखन साव के वंश की वृद्धि हुई और आज विशाल वठ वृक्ष की भांति फैला हुआ है। महेश्वरनाथ के आशीर्वाद से बिलाईगढ़-कटगी के जमींदार के वंश की वृद्धि हुई जिससे प्रसन्न होकर बिलाईगढ़ के जमींदार श्री प्रानसिंह ने माघ सुदी 01 संवत् 1894 मे नवापारा गांव इस मंदिर के व्यवस्था और भोगराग आदि के लिए चढ़ाया था। शिवरीनारायण के अलावा हसुवा, टाटा और लखुर्री में महेश्वर महादेव और झुमका में बजरंगबली का भव्य मंदिर है। हसुवा के महेश्वर महादेव के मंदिर को माखन साव के भतीजा और गोपाल साव के पुत्र बैजनाथ साव, लखुर्री के महेश्वरनाथ मंदिर को सरधाराम साव के प्रपौत्र प्रयाग साव ने और झुमका के बजरंगबली के मदिर को बहोरन साव ने बनवाया। इसी प्रकार टाटा के घर में अंडोल साव ने शिवलिंग स्थापित करायी थी। माखन वंश द्वारा निर्मित सभी मंदिरों के भोगराग की व्यवस्था के लिए कृषि भूमि निकाली गयी थी। इससे प्राप्त अनाज से मंदिरों में भोगराग की व्यवस्था होती थी। आज भी ये सभी मंदिर बहुत अच्छी स्थिति में है और उनके वंशजों के द्वारा सावन मास में श्रावणी पूजा और महाशिवरात्रि में अभिषेक किया जाता है।

पातालेश्वर महादेव

बिलासपुर जिला मुख्यालय से 32 कि. मी. की दूरी पर बिलासपुर-शिवरीनारायण मार्ग में मस्तुरी से जोंधरा जाने वाली सड़क के पार्श्व में स्थित प्राचीन ललित कला केंद्र मल्हार प्राचीन काल में 10 कि. मी. तक फैला था। यहां दूसरी सदी की विष्णु की प्रतिमा मिली है और ईसा पूर्व छटवीं से तेरहवीं शताब्दी तक क्रमबद्ध इतिहास मिलता है। यहां का पातालेश्वर महादेव जग प्रसिद्ध है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कलचुरि राजा जाज्वल्यदेव द्वितीय के शासनकाल में संवत 1919 में पंडित गंगाधर के पुत्र सोमराज ने इस मंदिर का निर्माण कराया है। भूमिज शैली के इस मंदिर में पातालगामी छिद्र युक्त पातालेश्वर महादेव स्थित हैं। इस मंदिर की आधार पीठिका 108 कोणों वाली है और नौ सीढ़ी उतरना पड़ता है। प्रवेश द्वार की पट्टिकाओं में दाहिनी ओर शिव-पार्वती, ब्रह्मा-ब्रह्माणी, गजासुर संहारक शिव, चौसर खेलते शिव-पार्वती, ललितासन में प्रेमासक्त विनायक और विनायिका और नटराज प्रदर्शित हैं।

बुढ़ेश्वर महादेव

बिलासपुर जिला मुख्यालय से 22 कि. मी. की दूरी पर प्राचीन छत्रीसगढ़ की राजधानी रतनपुर स्थित है। यहां कलचुरि राजाओं का वर्षो तक एकछत्र शासन था। यहां उनके कुलदेव बुढ़ेश्वर महादेव और कुलदेवी महामाया थी। डॉ. प्यारेलाल गुप्त के अनुसार तुम्माण के बंकेश्वर महादेव की कृपा से कलचुरि राजाओं को दक्षिण कोसल का राज्य मिला था। उनके वंशज राजा पृथ्वीदेव ने यहां बुढ़ेश्वर महादेव की स्थापना की थी। इसकी महिमा अपार है। मंदिर के सामने एक विशाल कुंड है।

पाली का शिव मंदिर

बिलासपुर जिला मुख्यालय से अम्बिकापुर रोड में 50 कि. मी. की दूरी पर पाली स्थित है। ऐसा उल्लेख मिलता है कि प्राचीन रतनपुर का विस्तार दक्षिण-पूर्व में 12 मील दूर पाली तक था, जहां एक अष्टकोणीय शिल्पकला युक्त प्राचीन शिव मंदिर एक सरोवर के किनारे है। मंदिर का बाहरी भाग नीचे से उपर तक कलाकार की छिनी से अछूता नहीं बचा है। चारों ओर अनेक कलात्मक मूर्तियां इस चतुराई से अंकित है, मानो वे बोल रही हों-देखो अब तक हमने कला की साधना की है, तुम पूजा के फूल चढ़ाओ। मध्य युगीन कला की शुरूवात इस क्षेत्र में इसी मंदिर से हुई प्रतीत होती है। खजुराहो, कोणार्क और भोरमदेव के मंदिरों की तरह यहां भी काम कला का चित्रण मिलता है।

रूद्रेश्वर महादेव

बिलासपुर से 27 कि. मी. की दूरी पर रायपुर राजमार्ग पर भोजपुर ग्राम से 7 कि. मी. की दूरी पर और बिलासपुर-रायपुर रेल लाइन पर दगौरी स्टेशन से मात्र एक-डेढ़ कि. मी. दूर अमेरीकापा ग्राम के समीप मनियारी और शिवनाथ नदी के संगम के तट पर ताला स्थित है जहां शिव जी की अद्भूत रूद्र शिव की 9 फीट ऊंची और पांच टन वजनी विशाल आकृति की उर्द्धवरेतस प्रतिमा है जो अब तक ज्ञात समस्त प्रतिमाओं में उच्चकोटि की प्रतिमा है। जीव-जन्तुओं को बड़ी सूक्ष्मता से उकेरकर संभवत: उसके गुणों के सहधर्मी प्रतिमा का अंग बनाया गया है।

गंधेश्वर महादेव

रायपुर जिलान्तर्गत प्राचीन नगर सिरपुर महानदी के तट पर स्थित है। यह नगर प्राचीन ललित कला के पांच केंद्रों में से एक है। यहां गंधेश्वर महादेव का भव्य मंदिर है, जो आठवीं शताब्दी का है। माघ पूर्णिमा को यहां प्रतिवर्ष मेला लगता है।

कुलेश्वर महादेव

रायपुर जिला मुख्यालय से दक्षिण-पूर्वी दिशा में 50 कि. मी. की दूरी पर महानदी के तट पर राजिम स्थित है। यहां भगवान राजीव लोचन, साक्षी गोपाल, कुलेश्वर और पंचमेश्वर महादेव सोढुल, पैरी और महानदी के संगम के कारण पवित्र, पुण्यदायी और मोक्षदायी है। यहां प्रतिवर्ष माघ पूर्णिमा से 15 दिवसीय मेला लगता है। इस नगर को छत्रीसगढ़ शासन पर्यटन स्थल घोषित किया है।

इसके अलावा पलारी, पुजारीपाली, गंडई-पंडरिया, बेलपान, सेमरसल, नवागढ़, देवबलौदा, महादेवघाट (रायपुर), चांटीडीह (बिलासपुर), और भोरमदेव आदि में भी शिव जी के मंदिर हैं जो श्रद्धा और भक्ति के प्रतीक हैं। इन मंदिरों में श्रावण मास और महाशिवरात्री में पूजा-अर्चना होती है।

संक्षिप्त समाचार

गोधन न्याय योजना से बढ़े आय और रोजगार के अवसर : मुख्यमंत्री बघेल

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से यहां उनके निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ झेरिया यादव समाज के प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री से प्रतिनिधिमंडल ने सामाजिक विषयों पर चर्चा की और सभी वर्गों के लोगों के उत्थान के लिए राज्य में संचालित जनकल्याणकारी कार्यक्रमों के लिए उनका आभार जताया। मुख्यमंत्री बघेल ने प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात के दौरान अवगत कराया कि छत्तीसगढ़ में यादव समाज खेती-किसानी के साथ-साथ पशुपालन से भी जुड़े हुए है। राज्य में हमारी सरकार द्वारा गोधन न्याय योजना संचालित की जा रही है। इससे सभी गौपालकों सहित यादव समाज के जीवन में काफी बदलाव आ रहा है। छत्तीसगढ़ में गोधन न्याय योजना को हम एक मिशन के रूप में संचालित कर रहे है। योजना के तहत हमने गांव-गांव में भूमि को आरक्षित कर गौठानों का निर्माण किया। साथ ही अब गौठानों को ग्रामीण औद्योगिक पार्क के रूप में उन्नत किया जा रहा है। इससे गांवों में आय के साथ-साथ रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं।

बीए प्रथम वर्ष का परिणाम जारी
74 प्रतिशत छात्र फेल

रायपुर। पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय ने बीए प्रथम वर्ष के वार्षिक परीक्षा परिणाम जारी कर दिया है। बीए प्रथम वर्ष में 26.67 प्रतिशत छात्र उत्तीर्ण होने में सफल हुए है। लगभग 74 प्रतिशत छात्र अनुत्तीर्ण हुए है। इतनी बड़ी संख्या में छात्रों के अनुत्तीर्ण होने से सवालिया निशान खड़ा हो गया है कि आखिर इतना खराब क्यों रहा है परिणाम? छात्र संगठनों ने मोर्चा खोल दिया है वहीं रविवि प्रशासन कुछ बोलने तैयार नहीं हैं। बीए में इतनी बड़ी संख्या में छात्रों का अनुत्तीर्ण होना पहली बार हुआ है। स्नातक प्रथम वर्ष में किसी भी पाठ्यक्रम 50 प्रतिशत छात्र उत्तीर्ण नहीं हो पाए हैं। बीए प्रथम वर्ष में 23,220 छात्रों ने रजिस्ट्रेशन करवाया था, जिसमें 6,425 छात्र पास और 11,333 छात्र फेल हो गए है। वहीं 5,058 छात्रों को पूरक की पात्रता मिली है। 814 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे, 404 छात्रों के परीक्षा परिणाम रोक दिए गए हैं। कोरोना के समय तीन साल तक सभी पाठ्यक्रमों का परिणाम 90 प्रतिशत से ज्यादा आता था।

अपनी संस्कृति को बढ़ावा दें क्रिएटर्स: बघेल

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने शनिवार शाम सोशल मीडिया क्रिएटर्स से भेंट-मुलाकात की। राजधानी रायपुर के एक हॉटल में 'कका मीट क्रिएटर्स' नाम से आयोजित कार्यक्रम में वे प्रदेशभर से आए सोशल मीडिया क्रिएटर्स से रूबरू हुए। इस दौरान सोशल मीडिया क्रिएटर्स ने मुख्यमंत्री से कई रोचक सवाल भी पूछे और मुख्यमंत्री ने अपने अंदाज़ में उनके जवाब भी दिए।

'कका मीट क्रिएटर्स' में कला-संस्कृति, मनोरंजन, खानपान, पर्यटन, बोली-भाखा, रेडियो, वाइल्ड लाइफ, एडवेंचर, सूचना, फोटो- वीडियोग्राफी सहित विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों से जुड़े तथा अपनी क्रिएटिविटी से खास पहचान बना चुके सोशल मीडिया क्रिएटर्स, इंफ्लुएंसर और यू-ट्यूबर्स बड़ी संख्या में मौजूद थे तथा उनमें गजब का उत्साह था। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने टेबल-दर-टेबल क्रिएटर्स तक पहुंचकर उनसे बातचीत की। उनके सवालों का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि अब सबके हाथ में मोबाइल आ गया। सोशल मीडिया बहुत बड़ा मंच है, इसकी भूमिका रचनात्मक हो।

हाल ही में एक सड़क दुर्घटना में दिवंगत छत्तीसगढ़ के फेमस यू-ट्यूबर देवराज पटेल को याद करते हुए मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि हमारे प्रदेश के सोशल मीडिया क्रिएटर्स बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। एक महिला क्रिएटर के सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि आपकी काकी के साथ बहुत सी फिल्में देखी हैं। पाटन क्षेत्र के एक क्रिएटर ने अपना और अपने गांव का नाम बताया तो मुख्यमंत्री ने उनके पिता का नाम लेते हुए पूछा कि आप उनके लड़के हैं क्या। महिला सुरक्षा को लेकर वाहनों में पेनिक बटन जैसी व्यवस्था करने के लिए महिला क्रिएटर ने मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया। घूमने के लिए छत्तीसगढ़ में पसंदीदा पर्यटन स्थल के सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में पर्यटन के लिए एक से बढ़कर एक स्थान हैं, घूमने-फिरने के लिए कहीं बाहर जाने की जरूरत नहीं। एक सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि वे पढ़ाई में एवरेज थे। मस्ती भी बहुत करते थे। बारिश के दिनों में नाला में बाढ़ आ जाती थी, तो स्कूल नहीं जा पाते थे। एक सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर मैं सोशल मीडिया क्रिएटर होता तो खेती-किसानी पर क्रिएटिव बनाता। उन्होंने क्रिएटर्स से कहा कि वे अपने छत्तीसगढ़िया कल्चर को बढ़ावा दें। कलेवा को दिखाते हैं तो मुंह में पानी आ जाता है। एक बाल क्रिएटर ने मुख्यमंत्री से कहा कि गरीब बच्चे पहले पढ़ नहीं पाते थे, आपने ऐसा स्कूल बनवाया है जहां फ्री में एजुकेशन मिलता है। इसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।

मरकाम और टेकाम को बिना छर्रे का झुनझुना थमाया ताकि आवाज न कर सके: भाजपा

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष विकास मरकाम ने कहा है कि छत्तीसगढ़ का आदिवासी समाज प्रदेश सरकार की आदिवासी विरोधी गतिविधियों को गौर से देख रहा है और आने वाले समय में आदिवासी समाज प्रदेश की कांग्रेस सरकार को करारा सबक सिखाएगा। श्री मरकाम ने प्रदेश सरकार के मंत्रियों की अल्टी-पल्टी को फिजूल की सियासी कवायद बताते हुए कहा कि कांग्रेस और उसकी प्रदेश सरकार अपने शासनकाल के आखिरी 100 दिनों में फडफ़ड़ा रही है। भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्री मरकाम ने कहा कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने अब आदिवासी नेताओं को झुनझुना थमाने का सिलसिला धड़ल्ले से शुरू किया है। झुनझुना भी ऐसा कि, जिसके छर्रे निकाल दिए गए हैं ताकि वह आवाज न कर सके, बज न सके। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद से मोहन मरकाम और मंत्रिमंडल से प्रेमसाय सिंह टेकाम को हटाये जाने पर निशाना साधते हुए श्री मरकाम ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद से मरकाम को बेहद अपमानजनक ढंग से हटाया गया और इससे उपजे असंतोष को थामने के लिए मंत्री बनाया गया। मरकाम को मंत्री तो बनाया गया लेकिन उन्हें उनका पसंदीदा स्कूल शिक्षा विभाग नहीं दिया गया।

बारिश के बीच पहुंचे नए अध्यक्ष दीपक बैज, जोरदार स्वागत

प्रदेश कांग्रेस के नव नियुक्त अध्यक्ष दीपक बैज दिल्ली से जैसे ही रायपुर पहुंचे,उत्साही कांग्रेसी स्वागत के लिए टूट पड़े। युवा अध्यक्ष के स्वागत में युवाओं का जोश देखते ही बन रहा था। विमानतल से लेकर कांग्रेस भवन आने तक घंटों लग गए। युवा कांग्रेस, एनएसयूआई, सेवादल के कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी से स्वागत किया वे पानी में भींगते हुए सड़क पर ही खड़े थे। स्वागत से अभिभूत दीपक बैज भी कई जगह गाड़ी से उतरकर लोगों से मिले। उन्होने कहा कि यह जोश चुनाव तक बने रहना चाहिए और भूपेश बघेल के नेतृत्व में दोबारा छत्तीसगढ़ में सरकार बनाने के लिए कमर कस लें। दीपक बैज ने कहा कि स्वागत के लिए कार्यकर्ताओं का बहुत-बहुत आभार। उन्होंने कहा कि समय कम है और चुनौती बड़ी है। लेकिन हम लोग इस चुनौती को पार कर सरकार बनाएंगे। सत्ता और संगठन में तालमेल बिठाकर हम अच्छा काम करेंगे।

अवैध शराब बिक्री के खिलाफ खोले गये मोर्चा के प्रभाव की समीक्षा बैठक आज

रायपुर। ग्राम के गली कूचों में बिक रहे अवैध शराब से त्रस्त ग्राम असौंदा के ग्रामीणों द्वारा खोला गया मोर्चा लिप्त शराब कोचियो के आश्वासन के चलते मोर्चा खोलने के करीबन 10 दिन बाद कोचियो पर निगरानी के निर्णय के साथ स्थगित कर दिया गया था। अब मोर्चा स्थगन के लगभग सप्ताह बीतते बीतते कल रविवार 16 जुलाई को अपराह्न 2 बजे ग्रामीणों की? एक बैठक आहूत की गयी है जिसमें अवैध शराब बिक्री की वर्तमान स्थिति पर चर्चा कर आवश्यकता पडऩे पर आंदोलन की आगामी रुपरेखा तय की जावेगी। इधर ग्रामीण सूत्रों के अनुसार फिलहाल असौंदा में स्थिति नियंत्रण में है पर नजदीकी ग्राम बिठिया व मुड़पार में कोचियो का बोलबाला है जिसके चलते असौंदा में अब भी स्थिति अशांत बना रहता है।

ज्ञातव्य हो कि अमेरी से माठ सड़क मार्ग पर पडऩे वाले खरोरा थाना क्षेत्र के ग्राम असौंदा में सड़क किनारे सहित ग्राम के गली कूचों में अवैध शराब बिक्री के चलते ग्रामवासियों सहित सड़क मार्ग से गुजरने वाले राहगीरों को पियक्कड़ों से दो चार होना पड़ता था। आस-पास के

ग्राम प्रमुखों सहित ग्रामीणों की मांग पर बीते 2 जुलाई को आहूत बैठक में राजनैतिक - आर्थिक - सामाजिक - व्यक्तिगत राग-द्वेष को भूल गांधीवादी तरीके से इसके खिलाफ मोर्चा खोलने का निर्णय ले उसी दिन से रैली निकाल कोचियो को समझाईश देने व ग्रामीणो को जागरूक करने का कार्य महिलाओं ने ग्राम प्रमुखों के साथ शुरू कर दिया था जिसमें कालान्तर में आम ग्रामीणों सहित नौनिहालों ने भी भाग लेना शुरू कर दिया था। धरसीवां विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले इस ग्राम में ग्रामीणों की एकजुटता को देखते हुये क्षेत्रीय विधायक श्रीमती अनिता शर्मा व पूर्व विधायक देवजी भाई पटेल भी अपने अपने राजनैतिक हितों के मद्देनजर इस ग्राम में अवैध शराब बिक्री रुकवाने सक्रिय हो चले थे।

इधर ग्रामीणों ने क्षेत्रीय नगर पुलिस अधीक्षक उदयन बेहार व थाना प्रभारी बृजेश तिवारी को भी ज्ञापन सौंपा जिसके चलते पुलिसिया गश्त भी शुरू हो गया था। इसके चलते कोचिये दबाव में आ बीते 10 जुलाई को ग्रामीणों के समक्ष आत्मसमर्पण करते हुये शराब न बेचने का आश्वासन दिया था। इस आश्वासन के परिप्रेक्ष्य में ग्रामीणों ने इन पर सतत् निगरानी रख आंदोलन स्थगित रखने का निर्णय लिया था। इस संबंध में कोचियो के आश्वासन पर अति विश्वास न कर समय समय पर समीक्षा बैठक कर आगामी कार्यवाही का रुपरेखा तैयार करने का आग्रह शराब विरोधी मुहिम में सक्रिय किसान संघर्ष समिति के संयोजक भूपेन्द्र शर्मा ने ग्रामीणों से किया था। इधर ग्रामीण सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इसके बाद से तो ग्राम के भीतर अवैध शराब बिक्री की शिकायत नहीं है पर आंदोलन स्थगित होने के दूसरे दिन एक कोचिया ग्राम के बाहर नहर पार में जा अन्य ग्राम के ग्रामीणों को फोन से संपर्क कर बुला बुला शराब दे रहा था तो एक अन्य कोचिया तीसरे दिन बाहरी पियक्कड़ को शराब मुहैय्या करा रहा था जिसकी जानकारी मिलने पर ग्रामीण आक्रोश के चलते माफी मांगी व तब से फिलहाल अवैध शराब बिक्री पर अंकुश है। असौंदा के ग्रामीणों के अनुसार नजदीकी ग्राम मुड़पार व बिठिया में फिलहाल शराब कोचियो का बोलबाला है और मुड़पार में तो एक कोचिया ग्रामीणों को चुनौती देते हुये श्मशान घाट में खुले आम शराब बेचता है वहीं बिठिया में एक महिला भी मुख्य शराब विक्रेता बनी हुयी है। क्षेत्रीय जनपद सदस्य सुरेन्द्र वर्मा भी इन दोनों ग्रामो में अवैध शराब बिक्री होने की पुष्टि करते हैं। फिलहाल असौंदा के सरपंच राजेश साहू ने समीक्षा बैठक आहूत करने की जानकारी देते हुये कहा है कि स्थिति की समीक्षा कर जनभावना के अनुरूप निर्णय लिया जावेगा।

भूपेश बघेल ने पलटी बाजी

छत्तीसगढ़ में करीब साढ़े चार साल तक सरकार और संगठन के भीतर चल रहे अंतर्द्वंद्व के बाद इस हफ्ते मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने एकदम से बाजी पलट दी। आदिवासी

नेता मोहन मरकाम को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष की कुर्सी से उतारकर मंत्रिमंडल में शामिल कर अपने अधीन कर लिया। लोगों को कई मौकों पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम के बीच तलवार खिंची नजर आई। मोहन मरकाम कई बार मजबूत भी लगे। महामंत्रियों के काम के बंटवारे को लेकर प्रभारी महासचिव सैलजा की चिट्ठी पर समीक्षा की बात कर मोहन मरकाम ने प्रदेश की राजनीति को नई दिशा दे दी, पर यही बात उनके गले की फ़ांस बन गई और अध्यक्ष पद से उनकी विदाई हो गई। भूपेश बघेल अध्यक्ष पद पर अपने पसंद के नेता दीपक बैज को बैठाने में सफल रहे। अब विधानसभा चुनाव के वक्त प्रत्याशी चयन से लेकर रणनीति तक में भूपेश बघेल का सिक्का चलने की बात कही जा रही है। कहते हैं भूपेश बघेल ने प्रभारी महासचिव सैलजा को भी अपने पक्ष में कर लिया है। शुरूआती दिनों में मुख्यमंत्री निवास से अपने को दूर बनाए रखी सैलजा का परहेज अब खत्म दिखाई पड़ रहा है। माना जा रहा है कि उपमुख्यमंत्री का तमगा और ऊर्जा विभाग मिलने से टी एस सिंहदेव ने भी तलवार म्यान में रख लिया है। कहा जा रहा है कि टी एस सिंहदेव अब अंबिकापुर से विधानसभा चुनाव

रवि भोई

लड़ेंगे और सरगुजा से अधिक से अधिक सीटों में कांग्रेस की जीत के लिए काम भी करेंगे। वहीं उनके परिवार से किसी के भाजपा में जाने की हवा का बहना भी बंद हो जाएगा। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने करीब-करीब एक पखवाड़े में अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों की हवा निकालकर कुशल और चतुर राजनीतिक खिलाड़ी होने की मिसाल पेश कर दी।

रविंद्र चौबे से कृषि विभाग क्यों हटा ?

भूपेश बघेल सरकार में शुरू से रविंद्र चौबे कृषि और जल संसाधन मंत्री थे। अब

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने नए सिरे से विभागों के बंटवारे में रविंद्र चौबे से कृषि और किसान किसान कल्याण विभाग हटाकर मंत्री ताम्रध्वज साहू को दे दिया है। गौर करने वाली बात है कि मुख्यमंत्री ने रविंद्र चौबे से कृषि विभाग ले लिया, पर उससे जुड़े मछली पालन और पशुपालन वे यथावत देखते रहेंगे। वैसे मुख्यमंत्री ने रविंद्र चौबे को स्कूल शिक्षा जैसा बड़ा विभाग दिया है साथ में सहकारिता की भी जिम्मेदारी दी है। पंचायत और ग्रामीण विकास के साथ जलसंसाधन एवं संसदीय कार्य तो रहेगा ही। कृषि का हटना लोगों को खटक रहा है। चर्चा है कि कृषि विभाग से जुड़े कुछ अफसरों की मर्जी रविंद्र चौबे के सामने चल नहीं पा रही थी।

रेणु पिल्ले का मन बदला

कहते हैं 1991 बैच की आईएएस रेणु पिल्ले अब भारत सरकार में जाने की इच्छुक नहीं हैं।

बताते हैं वे अब छत्तीसगढ़ में ही रहना चाहती है। खबर है कि उन्होंने मुख्य सचिव के माध्यम से सरकार को छत्तीसगढ़ में ही सेवा देने के लिए आवेदन किया है। रेणु पिल्ले मुख्य सचिव के बाद राज्य की सबसे सीनियर अफसर हैं और वे फरवरी 2028 तक सेवा में रहेंगी। रेणु पिल्ले फिलहाल स्वास्थ्य विभाग में एसीएस हैं। केंद्र सरकार की अपॉइंटमेंट कमेटी ने उन्हें राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग में सचिव के पद पर नामित किया है। कहा जा रहा है कि रेणु पिल्ले को एक अगस्त को नया पदभार ग्रहण करना है, क्योंकि राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग की सचिव उपमा श्रीवास्तव 31 जुलाई को रिटायर हो रही हैं। अब देखते हैं छत्तीसगढ़ सरकार रेणु पिल्ले को भारत सरकार के लिए रिलीव करती है या राज्य में ही रखती है।

आखिर प्रेमसाय सिंह ही क्यों शिकार बने ?

मोहन मरकाम को मंत्री बनाने के लिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रेमसाय सिंह टेकाम का इस्तीफा क्यों लिया ? दिग्विजय सिंह और अजीत जोगी के कैबिनेट में रहे प्रेमसाय सिंह टेकाम को टी एस सिंहदेव का करीबी माना

जाता है। कहते हैं सिंहदेव की सिफारिश पर ही 2018 के विधानसभा चुनाव में प्रेमसाय को टिकट मिली थी और उनके कोटे से मंत्री बने थे। कहते हैं मोहन मरकाम का झुकाव भी सिंहदेव की तरफ था। अब सिंहदेव उपमुख्यमंत्री के पद पर आसीन हैं। कहा जा रहा है कि सिंहदेव को उपमुख्यमंत्री के पद से नवाजे जाने से किसी को शिकार होना था। ऐसे में प्रेमसाय सिंह शिकार हो गए। वैसे भी सरगुजा संभाग से तीन मंत्री थे और बस्तर संभाग से एक मंत्री था। संतुलन के लिए सरगुजा से एक का जाना तय था और प्रेमसाय को ड्राप करने की अफवाह तो पिछले कुछ सालों से चल रही थी। वह मोहन मरकाम की इंट्री से सही हो गई। प्रेमसाय सिंह का मन रखने के लिए उन्हें राज्य योजना आयोग का अध्यक्ष बना दिया गया। इस पद के कारण गाड़ी बंगला बचा रहेगा। लेकिन लोगों को उनके विधानसभा टिकट पर खतरा नजर आने लगा है।

चुनाव दफ्तर में एडिशनल सीईओ की पोस्टिंग पेंडिंग

कहते हैं छत्तीसगढ़ के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय में एक अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी की पोस्टिंग का मामला पेंडिंग है। कुछ महीने पहले एडिशनल सीईओ के पद पर पोस्टिंग के लिए 2007 बैच के तीन अफसरों का पैनल मुख्यमंत्री को भेजा गया था। खबर है कि एडिशनल सीईओ की पोस्टिंग का मामला मुख्यमंत्री से भारत निर्वाचन आयोग तक पहुँचने की जगह बीच में ही अटक गया। अब चर्चा है कि एडिशनल सीईओ की जगह ज्वाइंट सीईओ से 2023 के विधानसभा चुनाव का कार्य संपन्न कराया जाएगा। ज्वाइंट सीईओ के लिए 2011 बैच के आईएएस अफसरों का पैनल बनाया जा रहा है। अब देखते हैं सरकार क्या फैसला करती है ? वैसे उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के पद पर पदस्थ अफसरों को तत्काल कार्यभार ग्रहण करने को कहा जा रहा है। सरकार ने ऐसे कुछ अफसरों को दो दिन पहले एकतरफा रिलीव भी करने का आदेश जारी भी कर दिया। माना जा रहा है 2023 के विधानसभा चुनाव के लिए यह जरुरी भी था।

सत्र के बाद बदलेंगे कुछ कलेक्टर

कहते हैं विधानसभा सत्र के बाद चार-पांच जिलों के कलेक्टर इधर से उधर हो सकते हैं। चर्चा है कि इस फेरबदल में बिलासपुर, दुर्ग और रायपुर संभाग का एक-एक जिला और बस्तर संभाग के दो कलेक्टर प्रभावित हो सकते हैं। कहा जा रहा है कि एक-दो कलेक्टरों को चुनावी दृष्टि से तो एक-दो को एक जगह पर काफी दिनों से पोस्टिंग के कारण बदला जा सकता है। चुनाव की दृष्टि से कुछ जिलों के एसपी भी बदले जाने की चर्चा है। मंत्रिमंडल में कुछ मंत्रियों के विभागों में हेरफेर के बाद मंत्रालय स्तर पर भी कुछ अफसरों के विभाग बदलने की बात चल रही है।

डॉ रमनसिंह और बृजमोहन में रेस

कहते हैं प्रदेश चुनाव समिति और चुनाव

प्रबंध समिति का प्रमुख बनने के लिए पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह और पूर्व मंत्री बृजमोहनअग्रवाल दौड़ में शामिल हैं। 2023 के विधानसभा चुनाव को देखते हुए दोनों समितियों की भूमिका काफी अहम मानी जा रही है। अब देखते हैं बाजी कौन जीतता है। वैसे भाजपा हाईकमान ने चुनाव अभियान समिति की जिम्मेदारी प्रदेश प्रभारी ओम माथुर और केंद्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया को सौंपी है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार और पत्रिका समवेत सृजन के प्रबंध संपादक हैं।)

कांग्रेस में अभी और दिखेगा बदलाव : माथुर

रायपुर। आज कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में भाजपा घोषणापत्र समिति की बैठक प्रदेश प्रभारी व चुनाव प्रभारी ओम माथुर,भाजपा प्रदेश सहप्रभारी नितिन नबीन, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अरुण साव, पूर्व मुख्यमंत्री व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ रमन सिंह,घोषणा पत्र समिति के संयोजक विजय बघेल की उपस्थिति में संपन्न हुई।

बैठक में ओम माथुर जी ने कहा की आप जनता के हृदय को छूने जैसे विषयों पर कार्य करें। कांग्रेस शासन में जनता ने जो कष्ट भोगा है, घोषणापत्र बनाते समय ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि मोदी जी ने भाजपा को गरीबों की पार्टी बनाया है, हमारा दायित्व है कि इसे हम अंतिम व्यक्ति तक ले कर जायें। हमारा घोषणा पत्र हर वर्ग के उत्थान के विषय को ध्यान में रखते हुए बनाया जाना चाहिये। पूर्व मुख्यमंत्री व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ रमन सिंह ने कहा कि भाजपा घोषणा पत्र समिति के घोषणापत्र से प्रदेश का कोई भी वर्ग अछूता न रहे। बैठक में भाजपाध्यक्ष अरुण साव ने कहा कि भाजपा छत्तीसगढ़ की खुशहाली का घोषणा पत्र देगी। उन्होंने कहा कि आरंभिक रूप से हमने तय किया है कि समिति के सदस्य विधानसभा स्तर तक जाएंगे। लोगों के सुझाव लेंगे। जो छत्तीसगढ़ की क्षमता है, जो छत्तीसगढ़ की ताकत है, छत्तीसगढ़ की अपेक्षा है, जो जनआकांक्षा है, उसके अनुरूप एक अच्छा घोषणा पत्र लेकर आएंगे। ताकि हम छत्तीसगढ़ को आगे बढ़ा सकें। छत्तीसगढ़ को अटल जी के सपनों के अनुरूप खुशहाल बना सकें। भाजपा घोषणा पत्र समिति के संयोजक सांसद विजय बघेल ने समिति की बैठक के परिपेक्ष्य में कहा कि राज्य की जनता कांग्रेस के झूठ से तंग आ चुकी है। भाजपा सत्य आधारित विकास मूलक घोषणा पत्र तैयार करेगी। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की ओर जनता आशा भरी नजरों से देख रही है।

हम लोग समिति बनाकर सभी विधानसभा क्षेत्रों में जाएंगे। उस के माध्यम से हम लोगों के सुझाव लेंगे। लोगों की अपेक्षाओं को देखेंगे। हर वर्ग के लोग, हर प्रकार के लोग, उनके जीवन स्तर और उनकी जरूरतें, सभी पर हमारा ध्यान केंद्रित है। साथ ही साथ चाहे वह किसान हों, मजदूर हों, युवा हों, महिलाएं हों, बुजुर्ग हो, दिव्यांग हो,पत्रकार हो,खिलाड़ी हो, विद्यार्थी हों, कर्मचारी या अधिकारी हों, बेरोजगार हों, लघुउद्यमी हों, बिल्डर हों, उद्योगपति हों, अधिवक्ता संघ, सामाजिक संगठन, आर्थिक विशेषज्ञ, बुद्धिजीवी,लोक कलाकार, छत्तीसगढ़ फिल्म जगत प्रत्येक वर्ग हम से क्या अपेक्षा करता है, इन बातों का समावेश घोषणा पत्र में करेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के भ्रष्टाचार के कारण जो हानि हो रही है वह पैसा जनता के गाढ़ी खून पसीने की कमाई है, इसे भ्रष्टाचार से मुक्त करते हुए उसका लाभ लोगों को मिले यह सुनिश्चित करेंगे। संयोजक श्री बघेल ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री मोदी जी का मूल मंत्र है कि सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास, उन सभी का समावेश हमारे घोषणापत्र में रहेगा।

खुशहाली का घोषणा पत्र देगी भाजपा: साव

रायपुर। भाजपा आरोप पत्र समिति की बैठक कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में संपन्न हुई। बैठक में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने कहा है कि कांग्रेस की प्रदेश सरकार रोज एक नया भ्रष्टाचार कर रही है, रोज एक नया आरोप प्रदेश सरकार पर लग रहा है, रोज एक नया मुद्दा प्रदेश सरकार देती है जो जनविरोधी होता है। इस सरकार की वादाखिलाफी, भ्रष्टाचार, माफियाराज, नशे का गढ़ आदि अनेक मुद्दों को लेकर भाजपा की आरोप पत्र समिति विस्तार से आरोप पत्र तैयार कर रही है जिसे पार्टी जारी करेगी।

भाजपा के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता व पूर्व मंत्री व आरोपपत्र समिति के संयोजक अजय चंद्राकर ने कहा कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार अपनी वादाखिलाफी, घपलेबाजी और नाकामियों के कारण पूरे प्रदेश का विश्वास खो चुकी है और अगले विधानसभा चुनाव में प्रदेश की जनता-जनार्दन भूपेश-सरकार के प्रति अविश्वास पर अपनी मुहर लगाने जा रही है। श्री चंद्राकर ने विभिन्न विषयों पर आगे चर्चा करते हुए कहा कि विधानसभा के मानसून सत्र में जनभावनाओं का सम्मान करते हुए भाजपा विधायक दल अविश्वास प्रस्ताव ला रहा है।

भाजपा मुख्य प्रदेश प्रवक्ता व पूर्व मंत्री श्री चंद्राकर ने कहा कि भाजपा विधायक दल अविश्वास प्रस्ताव में अपने अकाट्य आरोपों से न केवल प्रदेश सरकार को निरुत्तर कर बगलें झाँकने को विवश कर देगा, अपितु कांग्रेस व उसकी राज्य सरकार के विरुद्ध चैतन्य जनमत का निर्माण भी करेगा। श्री चंद्राकर ने कहा कि कांग्रेस और भूपेश सरकार चाहे जितने जतन कर ले, भाजपा के अविश्वास प्रस्ताव पर उसे चर्चा भी करानी पड़ेगी, आरोपों के प्रहार भी झेलने पड़ेंगे, सवाल भी सुनने पड़ेंगे और जवाब भी देने पड़ेंगे।

श्री चंद्राकर ने दावा किया कि भाजपा के अविश्वास प्रस्ताव के सामने कांग्रेस व प्रदेश सरकार के तमाम दावे हवा हो जाएंगे और प्रदेश सरकार की झूठ, धोखाधड़ी, छल-कपट और प्रपंच की राजनीति पूरी तरह बेनकाब हो जाएगी।

भाजपा मुख्य प्रदेश प्रवक्ता व पूर्व मंत्री श्री चंद्राकर ने कांग्रेस अध्यक्ष पद पर सांसद दीपक बैज की ताजपोशी पर भी कटाक्ष करते हुए पूछा कि क्या प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के तौर पर बैज चुनाव तक पूरे छत्तीसगढ़ का दौरा कर पाएंगे? जब तक वे छत्तीसगढ़ को समझेंगे, तब तक तो चुनाव निकल जाएगा। उसके बाद तो उनकी कुछ चलनी नहीं है। श्री चंद्राकर ने कहा कि प्रदेश सरकार व कांग्रेस में हुए बदलाव का राजनीतिक समीकरणों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। तीन महीने में कांग्रेस अब क्या कर लेगी? श्री चंद्राकर ने कहा कि कांग्रेस और प्रदेश सरकार में परिवर्तन सिर्फ तीन लोगों मोहन मरकाम, प्रेमसाय सिंह टेकाम और रवीन्द्र चौबे के अपमान का परिवर्तन है। चुनाव में जीत के कांग्रेस के दावों को हवा-हवाई बताते हुए श्री चंद्राकर ने कहा कि कांग्रेस के दावों का कोई आधार नहीं रह गया है। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस में वन मैन शो चल रहा है। आज सरकार एक आदमी की है, कांग्रेस को वही एक आदमी चला रहा है और विधानसभा चुनाव के बाद विपक्ष में भी वन मैन शो ही कांग्रेस की नियति रहनी है।

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

अब जीते तो 25 साल सत्ता में नहीं आ पायेगी भाजपा: दीपक

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष का पदभार ग्रहण करने के साथ दीपक बैज ने कार्यकर्ताओं को बड़ा संदेश दिया. उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में हम मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के चेहरे पर चुनाव लड़ेंगे. हमारे पास किसान का चेहरा है, हमारे पास मजदूर का चेहरा है. दिन में

18 घन्टे काम करेंगे और सरकार बनाएंगे. ईमानदारी से सरकार बनाएंगे. दीपक बैज ने समारोह में कहा कि मोदी जी कभी 18 घंटे काम नहीं करते हैं. मोदी जी मोर को दाना खिलाने में, कभी फोटो खिंचाने में, और बाकी चीजों में उनका टाइम निकल जाता है. चुनाव जीतने के बाद एक साल सो जाना आप लोग, चार साल हमारी सरकार काम करेगी. उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने साढ़े चार साल से अन्याय कर रही है. मोदी सरकार ने डराने का काम किया है, लेकिन कांग्रेस डरी नहीं. मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने डटकर मुकाबला किया है. केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग छत्तीसगढ़ में किया गया, लेकिन हमारी सरकार घबराई नहीं. हमें सत्ता और संगठन के बीच तालमेल बनाकर काम करना होगा. दोनों के समन्वय के साथ ही हम छत्तीसगढ़ का विकास कर सकते हैं.दीपक बैज ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल डेढ़ घन्टे से राजीव भवन इंतजार कर रहे हैं, ये जानकारी मिली तो मुझे अच्छा नहीं लगा. मुझे एयरपोर्ट से राजीव भवन आने में साढ़े तीन घन्टे लगे।

मरकाम और टेकाम को बिना छर्रे का झुनझुना थमाया : विकास

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष विकास मरकाम ने कहा है कि छत्तीसगढ़ का आदिवासी समाज प्रदेश सरकार की आदिवासी विरोधी गतिविधियों को गौर से देख रहा है और आने वाले समय में आदिवासी समाज प्रदेश की कांग्रेस सरकार को करारा सबक

सिखाएगा। श्री मरकाम ने प्रदेश सरकार के मंत्रियों की अल्टी-पल्टी को फिजूल की सियासी कवायद बताते हुए कहा कि कांग्रेस और उसकी प्रदेश सरकार अपने शासनकाल के आखिरी 100 दिनों में फड़फड़ा रही है। भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्री मरकाम ने कहा कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने अब आदिवासी नेताओं को झुनझुना थमाने का सिलसिला धड़ल्ले से शुरू किया है। झुनझुना भी ऐसा कि, जिसके छर्रे निकाल दिए गए हैं ताकि वह आवाज न कर सके, बज न सके। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद से मोहन मरकाम और मंत्रिमंडल से प्रेमसाय सिंह टेकाम को हटाये जाने पर निशाना साधते हुए श्री मरकाम ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद से मरकाम को बेहद अपमानजनक ढंग से हटाया गया और इससे उपजे असंतोष को थामने के लिए मंत्री बनाया गया। मरकाम को मंत्री तो बनाया गया लेकिन उन्हें उनका पसंदीदा स्कूल शिक्षा विभाग नहीं दिया गया। प्रदेश में चहुँओर हर विभाग में हो रहे भ्रष्टाचार पर मुखर मरकाम को कदम-कदम पर पहले भी अपमानित किया जाता रहा और अब भी अपमान के कड़वे घूँट पीने के लिए उन्हें विवश किया जा रहा है।

चिटफंड निवेशकों का पैसा भूपेश सरकार लौटा रही: ठाकुर

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा प्रवक्ता का बयान उल्टा चोर कोतवाल को डांटे वाली कहावत को चरितार्थ कर रहा है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की सरकार चिटफंड कंपनियों के मालिकों को गिरफ्तार कर रही है। उनके संपत्तियों को जप्त कर

रही है नीलाम कर रही है और चिटफंड निवेशकों के पैसे को लौटा रही है। भाजपा प्रवक्ता की याददाश्त कमजोर है चिटफंड कंपनियों ने पूर्व रमन सरकार के सह में प्रदेश की जनता को लूटने का काम किया है। पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह उनकी धर्म पत्नी वीणा सिंह उनके पुत्र अभिषेक सिंह तत्कालीन भाजपा के अध्यक्ष धरमलाल कौशिक सहित भाजपा के कई नेता चिटफण्ड कम्पनियों के उद्घाटन करते थे उनके लिए रमन सरकार रोजगार मेला लगाती थी और रमन सरकार के संरक्षण में चिटफण्ड कम्पनियों ने प्रदेश की गरीब जनता से हजारों करोड़ रुपया की लूट की है। रमन सरकार के दौरान कुकुरमुत्ते की तरह गांव गांव में चिटफण्ड कम्पनियों पनपी थी। चिटफंड घोटाला की तरह ही इंदिरा प्रियदर्शनी बैंक में घोटाला हुआ। घोटाला बाजो को बचाने के लिए तत्कालीन मुख्यमंत्री रमन सिंह, बृजमोहन अग्रवाल, रामविचार नेताम, अमर अग्रवाल ने करोड़ों रुपए की रिश्वत ली थी। यह बैंक के मैनेजर के नारको टेस्ट के वीडियो में स्पष्ट है।

चिटफंड पर जमीन और रकम घोटाला कर रही सरकार :केदार

रायपुर। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता केदार गुप्ता ने कांग्रेस की भूपेश बघेल सरकार पर चिटफंड मामले में जमीन और रकम घोटाला करने का खुला आरोप लगाते हुए कहा है कि चिटफंड कंपनियों से निवेशकों के पैसे पीड़ितों को दिलाने के बदले चिटफंड कंपनियों की कुर्क जमीनों को औने पौने दाम पर

कांग्रेसियों को बेचा जा रहा है सस्ती दरों पर बेचा जा रहा है। इन कंपनियों की संपत्ति कुर्क कर बेचने के बावजूद पीड़ितों को उनका पैसा नहीं दिया जा रहा। कई प्रकार की औपचारिकताएं बताकर, कागजों की कमी बताकर उन्हें पैसों से वंचित किया जा रहा है। भाजपा द्वारा इस मामले में कानूनन रिकवरी की व्यवस्था बनाने के बावजूद इसमें कांग्रेस सरकार ने अब तक बहुत सी संपत्तियों को कुर्क नहीं किया। जिन्हें कुर्क किया, उसका पैसा जानता तक नहीं पहुंच रहा है। ऐसे में सरकार की नीयत लग रही है कि वह निवेशकों के हक का पैसा भी रखा जाना चाहती है और चिटफंड कंपनियों से कुर्क की कई संपत्तियों की कांग्रेसियों के बीच बंदरबांट चल रही है। राहत की आड़ में जमीन घोटालों को अंजाम दे रहे हैं और इसके साथ ही जनता का धन दबाकर रखे हैं। जनता का धन जनता को लौटाने का इनका कोई इरादा नहीं है। रेत घोटाला, कोल घोटाला, खनिज फंड घोटाला, आवास घोटाला, शराब घोटाला, अनाज घोटाला, राशन घोटाला, धान घोटाला, कस्टम मिलिंग घोटाला, परीक्षा घोटाला, भर्ती घोटाला करने वाले कांग्रेसी चिटफंड घोटाले में नया कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं।

शासन युवाओं का भविष्य संवारने, रोजगार देने का काम कर रही है: संसदीय सचिव

रायपुर। जिले के मोहला-मानपुर और अंबागढ़ चौकी विकासखंड में प्लेसमेंट कैंप का आयोजन किया गया। प्लेसमेंट कैंप में बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लिया। मानपुर में आयोजित

प्लेसमेंट कैंप में पहुंचकर विधायक एवं संसदीय सचिव श्री इंद्रशाह मंडावी ने युवाओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ शासन युवाओं के भविष्य को लेकर गंभीर है। शासन लगातार युवाओं के लिए अनेक योजनाएं संचालित कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार युवाओं का भविष्य संवारने और रोजगार उपलब्ध कराकर भविष्य गढ़ने का काम प्राथमिकता से कर रही है। श्री मंडावी ने नियोक्ता कंपनियों और विभागीय अधिकारियों को युवाओं के साथ सकारात्मक सहयोग करने को कहा। प्लेसमेंट कैंप में आए युवाओ का नियोजक कंपनियों के द्वारा काउंसलिंग किया गया। कैंप में मोहला विकासखंड से 225 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसी प्रकार अंबागढ़ चौकी विकासखंड से 349 युवाओं ने प्लेसमेंट कैंप में हिस्सा लिया। मानपुर विकासखण्ड में 130 युवाओं ने प्लेसमेंट कैंप में हिस्सा लिया। अम्बागढ़ चौकी से 100 प्रतिभागियों का विभिन्न नियोक्ताओं के द्वारा चयन कर रोजगार उपलब्ध कराया गया। रोजगार कैंप में सीपेट रायपुर, मारुति-सुजुकी गुड़गांव तथा एलआईसी जैसे नियोजक शामिल हुए।

छत्तीसगढ़ को मिला पृथ्वी अवॉर्ड्स-2023

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ को वैश्विक स्तर पर ईएसजी यानी पर्यावरण, सामाजिक कल्याण और सुशासन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए सरकारी श्रेणी अंतर्गत पृथ्वी अवॉर्ड्स 2023 से नवाजा गया। यह पुरस्कार भारत सरकार के कानून और न्याय मंत्री श्री अर्जुन मेघवाल द्वारा प्रदान किया गया। इस दौरान प्रदेश में ग्रामीण विकास और आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए एनजीओ-स्वयंसेवक श्रेणी में राज्य के दो स्व-सहायता समूह को भी सम्मानित किया गया। कवर्धा जिले से जुनवानी गांव के जय बुढ़ा देव स्व-सहायता समूह और बस्तर जिले के आसना गाँव के वर्षा स्व-सहायता समूह

को सम्मानित किया गया। नई दिल्ली में 14 और 15 जुलाई को आयोजित ईएसजी ग्लोबल कॉन्फ्रेंस में पृथ्वी अवॉर्ड्स ईएसजी रिसर्च फाउंडेशन द्वारा प्रदान किया गया है, जो भारत में ईएसजी अनुपालन के लिए एक सराहनीय पहल है। छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ लगातार आदिवासी ग्रामीण अंचलों में वनोपज के माध्यम से रोजगार मूलक गतिविधियां कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रयासरत है। करीब 100 से अधिक वन उत्पादों को छत्तीसगढ़ हर्बल्स का ब्रांड नाम दिया गया। वन-धन केंद्रों के माध्यम से छत्तीसगढ़ के वनांचलों से निकले जैविक शुद्धता वाले तमाम प्रोडक्ट्स के रूप में घरों तक पहुंच रहे हैं। ग्रामीण महिलाएं वनोपज आधारित आर्थिक विकास का मॉडल बनाने में लगातार शासन-प्रशासन के साथ आगे आ रही हैं।

बस्तर के एक छोटे से गांव आसना के वर्षा स्व-सहायता समूह ने अथक प्रयासों से अपने क्षेत्र की स्थानीय अर्थव्यवस्था को काफी प्रभावित किया और सशक्त बनाने की दिशा में अग्रसर रहीं कुल 10 महिला स्व-सहायता समूहों के साथ 104 सदस्यों की एक इकाई वन धन योजना अंतर्गत कार्यरत है।

इमली की प्राथमिक प्रसंस्करण गतिविधि से स्थानीय आबादी को 23 लाख रुपये से अधिक आय प्राप्त हुई है। वर्षा एसएचजी की गतिविधि से 3000 से अधिक स्थानीय वनवासी लाभान्वित हुए हैं। स्थानीय लोगों से 4,500 क्विंटल इमली की खरीद से क्षेत्र की अर्थव्यवस्था में 1.54 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई है और इसके परिणामस्वरूप स्थानीय लोगों की वित्तीय और सामाजिक स्थिति में वृद्धि हुई। जयबुढ़ा देव स्व-सहायता समूह 10 समूहों के अंतर्गत 244 सदस्यों की इकाई है, जो मोटे अनाज यानि श्री अन्न के उत्पादन और प्राथमिक प्रसंस्करण के लिए कार्यरत है। बीते साल जय बुढ़ा स्व-सहायता समूह ने 30 से 33 रूपए प्रति किलो की दर से करीब 8187 क्विंटल मोटे अनाज की खरीदी की।

प्रदेश में होगी भारी बारिश, 8 जिलों के लिए 'येलो' अलर्ट जारी, झमाझम बरसेंगे बदरा

रायपुर। देश के कई राज्यों में भारी बारिश ने अपना कहर बरपा के रखा है। उत्तराखंड, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, उप्र, मप्र, राजस्थान, हरियाणा, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, असम, झारखंड, जैसे कई राज्यों में तेज बारिश हो रही है। उत्तराखंड , दिल्ली, हिप्र जैसे राज्यों में तो हालात बेहद ही खराब है। यमुना, गंगा और ब्रह्मपुत्र उफान पर है। वहीं अगर छत्तीसगढ़ की बात करें तो प्रदेश में भी पिछले 6 दिनों में मौसम में बदलाव देखा गया है। कुछ दिनों से बारिश नहीं होने के कारण उमस से लोंगों का हाल बेहाल हो गया था। वहीं अब मौसम विभाग ने बारिश की चेतावनी दे दी है। राजधानी रायपुर समेत प्रदेश के कई जिलों में बारिश शुरू हो चुकी है। मौसम विभाग के अनुसार एक दो दिन में बारिश को लेकर सिस्टम बनेगा और जमकर बारिश भी होगी। वहीं मौसम विभाग ने प्रदेश के कई स्थानों में बारिश होने की संभावना जताई है। मौसम विभाग के जानकारी के अनुसार 16 जुलाई से झमाझम बारिश होगी।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.